संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -349 सोमवार ,21 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महाराष्ट्र भाजपा की 99 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी

- 89 पुराने इनमें 10 एससी-एसटी, 13 महिलाएं...
- 3 निर्दलियों को भी टिकट...
- फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से लेंगे...

मुंबई,20अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को बीजेपी ने 99 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की। इनमें 6 सीटें एसटी और 4 सीटें एससी के लिए हैं। वहीं, 13 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिया गया है। 10 उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा तीन निर्दलीय विधायकों को भी भाजपा ने टिकट दिया है।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से,महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी से लड़ेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को भोकर और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने 3 मौजूदा विधायकों का टिकट काटा है।

3 निर्दलीय को भी टिकट भाजपा की पहली लिस्ट में तीन निर्दलीय महेश बाल्दी (उरान), राजेश बाकाणे (देवली), विनोद अग्रवाल (गोंदिया) शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव हारे 2 को टिकट मई महीने में चंद्रपुर सीट से लोकसभा चुनाव हारे सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर विधानसभा और मिहिर कोटेचा को मुलुंड सीट से टिकट मिला है।

2 भाइयों को मिला टिकट मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार को बांद्रा पश्चिम से और उनके भाई विनोद शेलार को मलाड पश्चिम से टिकट मिला।

विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर कोलाबा से लड़ेगे

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को कोलाबा से और नितेश राणे को कंकावली से चुनाव लड़ेंगे। नार्वेकर शिवसेना और एनसीपी विधायकों की सदस्यता खत्म नहीं करने को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। नितेश राणे मुस्लिम विरोधी बयानों को लेकर विवादों में हैं। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण की सीट कराड दक्षिण से अतुल भोसले को और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज शिवेंद्रराजे भोसले को सातार से उम्मीदवार बनाया गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को 2024 को खत्म हो रहा है। महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, भाजपा और एनसीपी अजित पवार गुट की सरकार है। एंटी इनकम्बेंसी और 6 बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा 23 से 9 सीटों पर सिमटी

2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में इंडिया गठबंधन को 30 और एनडीए को 17 सीटें मिलीं।। इनमें बीजेपी को 9, शिवसेना को 7 और एनसीपी को सिर्फ 1 सीट मिली। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ। 2019 लोकसभा चुनाव से एनडीए को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।

लोकसभा चुनाव के हिसाब से भाजपा को नुकसान का अनुमान

2024 लोकसभा चुनाव के हिसाब से भाजपा 60 सीटों के आसपास सिमट जाएगी। विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर एमव्हीए यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। भाजपा के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिम्पैथी है।

देश की संक्षिप्त खबरें

देश के हिस्सों दिखाई दिया करवा चौथ का चांद

रायपुर में सुहागिनों को आधा घंटा कराया इंतजार...

नई दिल्ली/रायपुर,20अक्टूबर 2024(ए)। करवा चौथ के चांद का इंतजार खत्म हुआ। यूपी, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत देश के अधिकांश हिस्सों में चंद्रोदय हो गया है। चांद का दीदार कर अर्ध्य देकर सुहागिनों ने करवा चौथ का व्रत तोड़ा। वहीं छत्तीसगढ़ में आसमान पर बादल छाए होने के कारण रात 8.50 बजे तक सुहागिने चौथ के चांद का इंतजार करती रही।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बस्तर के नक्सलियों को हथियारों की सप्लाई

लखनऊ,20अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी) यानी नक्सलियों तक पहुंचने वाले हथियारों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। हथियारों की सप्लाई उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से की जा रही थी। यह खुलासा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने किया है। इस मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि माओवादियों को किस तरह के हथियारों की सप्लाई प्रयागराज से की जा रही थी।छत्तीसगढ़ के बस्तर और उसके आसपास के राज्यों में नक्सलियों के सफाए के लिए केन्द्र सरकार सख्त दिख रही है। लगातार एक्शन हो रहे हैं। मुठभेड़ में नक्सलियों को मार गिराया जा रहा है। इसी बीच सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

30 विमानों को दी गई धमकी

नई दिल्ली,20अक्टूबर 2024(ए)। देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है, शनिवार को 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली। इससे कई विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई और सुरक्षा जांच के बाद उन्हें उड़ान की अनुमति दी गई, जिससे सैकड़ों यात्री घंटों तक परेशान रहे। गृह मंत्रालय ने तुरंत सिविल एविएशन मंत्रालय और विमान सुरक्षा ब्यूरो से रिपोर्ट मांगी है।

डीजीसीए प्रमुख विक्रम देव दत्त हटाए गए...

घटनाओं के बाद, केंद्र सरकार ने डीजीसीए प्रमुख विक्रम देव दत्त को उनके पद से हटाकर कोयला मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया। इस बदलाव को धमकी के मामलों से जोड़ा जा रहा है। सरकार ने विमान सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए यह कदम उठाया, और भविष्य में ऐसे मामलों से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया है।

बीसीएएस ने दी एयरलाइंस को सुरक्षा का भरोसा

बम धमकियों के बाद एयरलाइंस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विमान सुरक्षा ब्यूरो के साथ बैठक की। बीसीएएस के महानिदेशक जुल्फिकार हसन ने एयरलाइंस को भरोसा दिलाया कि भारतीय आकाश पूरी तरह सुरक्षित है और सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत किया जा रहा है।

200 करोड़ का नुकसान

बम की धमकियों के चलते विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग और यात्रियों को होटलों में ठहराने जैसी प्रक्रियाओं से विमानन क्षेत्र को इस हफ्ते 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हर इमरजेंसी लैंडिंग पर करीब 3 करोड़ रुपये का खर्च आता है, और इस हफ्ते 70 से अधिक उड़ानों को धमकियों का सामना करना पड़ा।

लंदन और दुबई जा रही फ्लाइट्स को धमकी शुक्रवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा की फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली। विस्तारा की दिल्ली से लंदन जा रही फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट डायवर्ट किया गया, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई से जयपुर आ रही फ्लाइट को जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। दोनों ही मामलों में जांच के बाद कुछ संदिग्ध नहीं मिला। फर्जी धमकी में एक गिरफ्तार मुंबई पुलिस ने फर्जी बम धमकी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने भी लगातार मिल रही धमकियों के बीच 6 एफआईआर दर्ज की हैं और 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक किया है, जो फर्जी बम धमकी फैला रहे थे।

दिनदहाड़े करोड़ों की डकैती

बदमाशों नेडीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक को बंधक बनाकर दो करोड़ कैश और सोने के गहने लूटे

नई दिल्ली,20अक्टूबर 2024(ए)। देश की राजधानी दिल्ली में एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां प्रशांत विहार थाना क्षेत्र में कूरियर ब्वॉय बनकर आए पांच बदमाशों ने डीआरडीओ के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक के घर दिनदहाड़े डकैती डाली। बदमाशों ने घर में घुस कर सेवानिवृत्त वैज्ञानिक व उनकी पत्नी के हाथ-पांव बांधे और दो करोड़ रुपये नकद व लाखों रुपये के गहने लूटकर फरार हो गए।दंपती शोर न मचा पाएं, इसलिए दोनों के मुंह पर कपड़ा बांध दिया। वारदात के समय घर पर बुजुर्ग दंपती के अलावा परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। लूट की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दंपती के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।पुलिस अधिकारी का कहना है कि इस मामले में आरोपियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस अधिकारी ने जिला के स्पेशल स्टाफ सहित छह टीम गठित कर दी हैं।

डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही

12 साल तक मरीज के पेट में पड़ी रही सर्जिकल कैंची

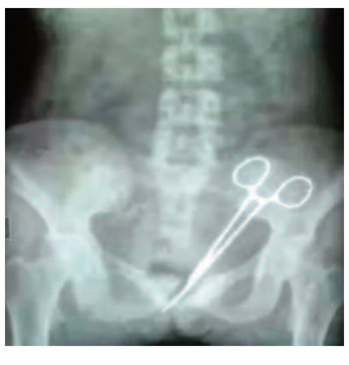

गंगटोक ,20अक्टूबर 2024 (ए)। सिक्किम के गंगटोक स्थित सर थंटोब नामग्याल मेमोरियल अस्पताल में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला के पेट में 12 साल तक सर्जिकल कैंची फंसी रही।

साल 2012 में महिला का अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद भी महिला को लगातार पेट में दर्द रहता था। कई डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी दर्द में कोई आराम नहीं मिला। हाल ही में जब महिला ने फिर से उसी अस्पताल में जांच करवाई तो एक्स-रे में उसके पेट में सर्जिकल कैंची दिखाई दी।

इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने महिला के पेट में कैंची छोड़ दी थी। महिला का तुरंत ऑपरेशन किया गया और कैंची को उसके पेट से निकाला गया। फिलहाल महिला की हालत स्थिर है। इस मामले में राज्य सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच में दोषी पाए जाने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब किसी मरीज के शरीर में सर्जिकल उपकरण छूट जाने का मामला सामने आया हो। इससे पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें डॉक्टरों की लापरवाही की बात सामने आई है।

तेज रफ्तार बस और टेंपो में हुई जबरदस्त भिड़ंत

हादसे में 8 बच्चों समेत 12 लोगों की हुई मौत

धौलपुर,20अक्टूबर 2024 (ए) । राजस्थान के धौलपुर में शनिवार देर रात नेशनल हाईवे-11बी पर भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में 8 बच्चों और दो महिलाओं समेत 12 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार को देर रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार बस ने टेंपोको टक्कर मार दी। यह हादसा बाड़ी उपखंड इलाके में हुआ। टेंपो में सवार लोग किसी कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे टेंपो के परखच्चे उड़ गए।

हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। इस दौरान हाईवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए धौलपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, मृतकों के शवों को बाड़ी अस्पताल की मॉर्चूयूरी में रखवाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में बस भी क्षतिग्रस्त हुई है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

बाड़ी अस्पताल के पीएमओ डॉ. हरिकिशन मंगल के अनुसार रात 12 बजे घायलों को इलाज के लिए बाड़ी अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने सभी घायलों का इलाज शुरू किया। उन्होंने बताया कि 14 लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें से 12 लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं, 2 लोग गंभीर रूप से घायल थे, उन्हें बेहतर इलाज के लिए धौलपुर रेफर कर किया।

बाड़ी कोतवाली थाना प्रभारी शिव लहरी मीणा ने बताया कि टेपों में सवार लोग बरौली गांव में रिश्तेदारी के भात कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनीपुर गांव के नजदीक एक स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। घायलों में स्लीपर कोच बस का चालक और परिचालक भी हैं। सभी शवों को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

बिना कोचिंग यूट्यूब से पढ़ाई कर परीक्षा पास की

भुवनेश्वर,20अक्टूबर2024(ए)। बिना कोचिंग केवल यूट्यूब से पढ़ाई कर ओडिशा के बोण्डा ट्राईब की एक बेटी ने ओडिशा सिविस सेवा 2022 परीक्षा पास की है और अब वे अधिकारी बनेगी। अब पूरे ओडिशा में इस बेटी के परिश्रम की चर्चा है. इस परीक्षा का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। मल्कानगिरी जिले के आदिवासी बहुल बॉन्डा हिल्स से आने वाली बिनी मुदुली ने आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद शानदार रैंक हासिल कर अपनी जनजाति की पहली ओएएस अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया है।अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और शुभचिंतकों को देते हुए बिनी ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मैं अपने परिवार की खुशी की वजह बनी।

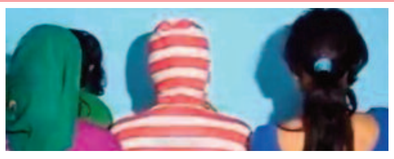

सेक्स बाजार का भंडाफोड़

40 महिलाएं समेत 150 लोग अरेस्ट

हैदराबाद,20अक्टूबर 2024 (ए) । हैदराबाद के पॉश बंजारा हिल्स इलाके में एक पब से कम से कम 140 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 40 महिलाएं शामिल हैं।पब के बारे में पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने छापा मारा और पब को सील कर दिया। पुलिस के मुताबिक 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है जिनमें से आधी महिलाएं हैं। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस वेंक रमन्ना ने ब ताया, बीती रात रोड नंबर 3 पर एक पब में छापा मारा गया जहां से 100 पुरुषों और 40 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पब में वे गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थीं। पब को सील कर दिया गया है। एसीपी ने कहा, कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा पब के मालिक, बाउंडर्स, डीजे ऑपरेटर और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

नमक से हो रही हर साल लाखों मौतें

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली,20अक्टूबर 2024 (ए)। नमक हमारे जीवन का एक आवश्यक हिस्सा है, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक नई रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि दुनिया भर में हर साल नमक के अत्यधिक सेवन के कारण लगभग 18.9 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

नमक का शरीर पर असर

नमक, खासकर सोडियम, शरीर की कोशिकाओं के लिए जरूरी है। इसकी कमी से हैपोनेट्रेमिया जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जिनसे उल्टी, दौरे, भ्रम और यहां तक कि कोमा जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। हालांकि, इसके अत्यधिक सेवन से भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जैसे कि हृदय रोग, मोटापा, किडनी की समस्याएं और कैंसर।

डब्ल्यूएचओ की सिफारिशें

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, रोजाना केवल 5 ग्राम नमक (लगभग एक चम्मच) का सेवन करना चाहिए। लेकिन वास्तविकता में लोग औसतन 11 ग्राम नमक का सेवन करते हैं, जो निर्धारित सीमा से दोगुना है। यह अतिरिक्त नमक हृदय रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, और अन्य घातक बीमारियों के जोखिम को बढ़ाता है, जो अंततः मृत्यु का कारण बनता है।

विशेषज्ञों की सलाह

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि नमक और चीनी का सेवन नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। अत्यधिक नमक न केवल कई बीमारियों को जन्म देता है, बल्कि उनकी गंभीरता को भी बढ़ाता है।

नसीब के घर पर चला बुलडोजर

आरएसएस के कार्यक्रम में चलाया था चाकू

जयपुर,20अक्टूबर 2024(ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी नसीब चौधरी पर सख्त कार्रवाई की गई है, जहां उसके घर पर बुलडोजर चलाकर उसे जमींदोज कर दिया गया. गुरुवार को एक मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों के हमले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े दस लोग घायल हो गए थे, जब नसीब चौधरी के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला उस दौरान जय श्री राम के नारे लगाए गए।

संपादकीय

चुनाव प्रणाली की साख पर तो सवाल

गंभीर सवाल पर अगंभीर नजरिया अनुचित है। इससे चुनाव प्रणाली की साख पर तो सवाल उठेंगे ही, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव से संबंधित व्यापक प्रश्नों को भी क्षति पहुंचेगी। बेहतर होगा कि पार्टी हरियाणा में अपनी रणनीति और संगठन की खामियों पर ध्यान दे।कांग्रेस के राजधानी स्थित प्रवक्ताओं ने हरियाणा के चुनाव नतीजों को अस्वीकार कर दिया है। भाजपा की जीत के बाद जयराम रमेश और पवन खेड़ा ने कहा कि यह हेरफेर के जरिए हासिल की गई जीत है। मगर हरियाणा में पार्टी दो दिग्गज नेताओं- भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा ने कांग्रेस की हार को स्वीकार किया है। हुड्डा ने कहा है कि विरोध जताते हुए वे इसे स्वीकार कर रहे हैं, जबकि शैलजा ने हार का पूरा ठीकरा प्रदेश इकाई के सिर फोड़ा है। उधर कर्नाटक के प्रमुख कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने भी हरियाणा के जनादेश को स्वीकार किया है।इसलिए भ्रम पैदा हुआ है कि हरियाणा के चुनाव परिणाम पर पार्टी की असल राय क्या है? निर्विवाद है कि भारत में चुनाव भले स्वतंत्र हों, लेकिन निष्पक्ष नहीं हो रहे हैं। पैसा, प्रचार तंत्र, और निर्वाचन आयोग जैसी निर्णायक संस्थाओं के एक पार्टी की तरफ पूरे झुकाव ने प्रतिस्पर्धा का समान धरातल नहीं रहने दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद वोट फॉर डेमोक्रेसी नामक एक एनजीओ ने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया कि जिन 240 सीटों पर भाजपा जीती, उनमें से 79 पर अंतर उन वोटों से पड़ा, जिन्हें मतदान के दिन के बाद निर्वाचन आयोग ने बढ़ाकर बताया था। मगर कांग्रेस पार्टी ने ऐसे सवालों को कभी-कभार ही उठाया है। उसने कभी इसे पूरी शिद्दत से नहीं उठाया, ना ही इनको लेकर कभी सुसंगत एवं निरंतर जन अभियान चलाया है।अभी भी ऐसा नहीं लगता कि इस मुद्दे पर पार्टी के अंदर कोई गंभीर विचार-विमर्श हुआ है या उसका इरादा इसे जनता के बीच ले जाने का है। गंभीर सवाल पर अगंभीर नजरिया अनुचित है। इससे चुनाव प्रणाली की साख पर तो सवाल उठेंगे ही, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव से संबंधित व्यापक प्रश्नों को भी क्षति पहुंचेगी। इसके विपरीत बेहतर होगा कि पार्टी हरियाणा में अपनी रणनीति और संगठन की खामियों पर विचार करे। सोशल मीडिया पर सियासत करने के बजाय जमीनी राजनीति पर ध्यान देना बेहतर होगा। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स की बनाई धारणा पर यकीन कर लेने के बजाय धरातल से फीडबैक का अपना सिस्टम बनाना सही नजरिया होगा।

वैज्ञानिक तकनीक से ही भारत की गरीबी,भुखमरी का उद्धार संभव

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत के विकास पर जनसंख्या का भारी दबाव है उस पर उसके संसाधन तथा उत्पादन के संतुलन में 141 करोड़ की जनसंख्या भारी पड़ती है। देश में इतनी बड़ी जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संसाधन बहुत ही सीमित और न्यून है, इन परिस्थितियों में देश को अपने उपलब्ध कृषि,जल, खनिज तथा अन्य संसाधनों का अधिकतम दोहन कर आर्थिक स्थिति को द्रुत गति से सुधारना होगा और निःसंदेह इसके लिए हमें आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक एवं अन्य अनुसंधान का आवश्यक रूप से सहारा लेना होगा तब जाकर हमारी आर्थिक स्थिति का संतुलन जनसंख्या के अनुपात में समानुपातिक हो पाएगा और परिणाम स्वरूप गरीबी तथा भुखमरी से संपूर्ण रूप से ना सही पर काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। सदियों से हर समाज गरीबी की कठिन परिस्थिति का सामना करता रहा है। गरीबी किसी मनुष्य को इस कदर मजबूर कर देती है कि वह अपने जीवन की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता है। इसके कारण भुखमरी कुपोषण और बेरोजगारी जैसी न जाने कितनी समस्या गरीब व्यक्ति झेलता है। प्राचीन काल से ही की उत्तम शासन का लक्ष्य गरीबी हटाना व प्रजा के दुख दर्द हटाने के उचित उपाय करना निर्धारित किया गया है। अनेक अर्थ शास्त्रियों ने अपने अलग अलग मत व सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं । कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में लिखा है कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित है, प्रजा के हित में ही उसे अपना हित देखना चाहिए इसीलिए अशोक महान से लेकर अकबर और वर्तमान प्रजातंत्र में हर प्रधानमंत्री गरीबी हटाने के मूल मंत्र को लेकर आगे विकास की बात तय करते हैं। आधुनिक काल में जब शासन कल्याणकारी बनने लगा तो जनता का हित सर्वोच्च लक्ष्य बन गया और गरीबी हटाने के मुहिम जोर शोर से चलने लगे, इसमें काफी हद तक सफलता भी प्राप्त की गई है।

जापान आज की स्थिति में विकसित राष्ट्र माना जाता है। पर इसे देखकर निश्चित तौर पर आश्चर्य होता है की यह एक ऐसा देश है जिसके पास में पर्याप्त प्राकृतिक साधन है न ही सुरक्षित निवास स्थान फिर भी लगातार दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होता है। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका झेलने के बाद यह देश ना जाने कितने भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं का सामना निरंतर करता आया है, इसके बावजूद जापान

सफल समृद्धि तथा गौरवशाली राष्ट्र बन चुका है, निसंदेह इसके पीछे विज्ञान तकनीकी का वृहद तथा व्यापक प्रयोग ही है। दूसरी तरफ एशिया,अफ्रीका के कई देश हैं, जिनके पास भरपूर प्राकृतिक संसाधन हैं, वे आज भी गरीबी पिछड़ापन को नहीं हटा पाए इसका एक बड़ा कारण पुरानी शैली पर टिका हुआ विकास है। विज्ञान अपनी क्षमता से विकास के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत रखता है। पश्चिमी कई देश साधन विहीन होने के पश्चात भी अत्यंत विकसित एवं संपन्न राष्ट्र बने विज्ञान की तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल कर वे अपने राष्ट्र को समृद्ध कर पाए हैं। यह तो तय है और स्पष्ट है कि व्यापक गरीबी का निवारण पिछड़े विकास के साधनों से संभव नहीं है, पुराने तरीके जहां अधिक संसाधन समय लेते हैं उसके परिणाम में कम उत्पादन, कम मूल्य प्रदान करते हैं। इसीलिए वैश्विक स्तर पर अब विज्ञान आधारित विकास से गरीबी मिटाने तथा विकास की नई इबारत लिखने की प्रतिस्पर्धा बढ़ चुकी है। गरीबी का सबसे भयानक रूप भुखमरी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है किंतु अब विज्ञान के प्रयोग से काफी कम हो चुकी है। भारत जैसा विशाल जनसंख्या वाला देश कभी भूख से कराह रहा था, पर आज अनाज का निर्यातक बन कर 141 करोड़ जनता का पेट भी भर रहा है और अनाज निर्यात भी कर रहा है। भारत ने कृषि में नवीन यंत्रों को विकसित कर जो बेहतर तौर-तरीकों जैसे वैज्ञानिक प्रयोगों से ग्रीन रिवॉल्यूशन को लाकर खड़ा कर दिया। अब भारत में पर्याप्त अन्न का भंडार भारतीय जनमानस के लिए उपलब्ध है। यह निसंदेह वैज्ञानिक तकनीक और दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है,जो हमारे लिए गौरव का विषय भी है। इसी तरह मानव के विकास की अहम आवश्यकता शिक्षा और कौशल तकनीक भी गरीबी निवारण के लिए अपरिहार्य बन गई है। यहां भी वैज्ञानिक तरीकों से लॉजिकल पाठ्यक्रम ऑनलाइन पढ़ाई आदि से गरीबी के कई आधार स्तंभ हटाए गए हैं। विज्ञान आधारित विकास से अब समाज में उद्योग सेवा क्षेत्र में कई नौकरियां तथा रोजगार के अनेक अवसर पैदा हो रहे हैं। विकास यानी गरीबी हटाने के घरेलू उपाय का अच्छा रोजगार देने में विज्ञान का योगदान बहुत ज्यादा रहा है,लगातार बढ़ती अर्थव्यवस्था में शिक्षा कौशल प्राप्त कर गरीब युवा भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकता है। सामाजिक आर्थिक क्षेत्र ही नहीं बल्कि प्रशासनिक राजनीतिक क्षेत्र भी वैज्ञानिक तकनीकी से गरीबी मिटाने के प्रयास में लगातार अनवरत प्रयत्नशील है ई गवर्नेंस वस्मार्ट गवर्नेंस में व्यापक तौर पर पारदर्शिता जवाबदेही लाकर प्रशासन को बेहतर बनाने में मदद की है यह भी गरीबी निवारण के लिए जरूरी सुशांत सुशासन का एक अहम हिस्सा है। विज्ञान तकनीकी आधारित विकास ने हमारी गरीबी का स्तर घटाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रभाव महसूस किया जा रहा है। अब इस बात की जरूरत है कि दुनिया के विकास के मॉडलों में सामाजिक मूल्य कमजोर वर्गों के प्रति करुणा विविध धर्म, संप्रदाय आदि क्षेत्र का सम्मान जैसी बातें भी शामिल हो। अब विकास का ऐसा मॉडल विकसित हो जाना चाहिए जो समाज को पर्यावरण प्रेम, नागरिक मानवीय कर्तव्य, नैतिक मूल्य का भी पाठ पढ़ाए ताकि समस्त सामाजिक वर्ग का विकास एक साथ सबके साथ हो सके। दुनिया के हर महत्वपूर्ण अर्थशास्त्री विकास के मॉडल में विज्ञान की तकनीकी का प्रयोग अत्यंत एवं आवश्यक मानते हैं। अब विकास के साथ विज्ञान और मूल्य का सही संयोजन जरूरी है ताकि असमानता के स्थान पर सभी का विकास संभव हो सके।विज्ञान की अथाह क्षमता तथा शक्ति का सदुपयोग विकास के पथ को तीव्र सरल तथा उच्च उत्पादकता वाला बनाना होगा। गरीबी की दर्दनाक पीड़ा पर यह मरहम लगाकर उसे हटाने का बेहतर साधन भी बन सकता है। वैज्ञानिक तकनीक के साथ यदि मानवीय संवेदनाओं का समावेश हो तो यह कई गुना अधिक सफल बन सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अब तो मैं भी लिखूंगा

घटती-घटना
दुगेश्वर राय
गोरखपुर, उत्तरप्रदेश

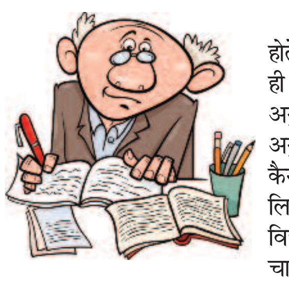

पिछले तीन दिनों से दो कमरों में अलमारी निर्माण का कार्य चल रहा था, जिसके कारण उन दोनों कमरों का भी सामान अन्य कमरों में शिफ्ट किया गया था। मन बेचैन हो उठा कि कैसे इन सारी चीजों को सुव्यस्थित तरीके से रख लूं। सभी वस्तुएं अत्यंत उपयोगी और महत्वपूर्ण थीं, लेकिन उनका इस तरह से बेतरतीब होना सबको निरर्थक होने की संज्ञा प्रदान कर रहा था। इसी उधेड़बुन में था कि बिटिया ने फोन पकड़ाते हुए कहा कि घंटी बज रही है।

हेलो!

नमस्कार! कैसे हैं?

जी प्रणाम! ठीक हूं।

आज की कार्यशाला के लिए लिंक सभी साथियों को भेज दिया जाये। अन्य साथियों से भी बात कर आवश्यक तैयारी कर ली जाये।÷

जी बिल्कुल, बस चाय पी लूं।

दरअसल बात यह है कि शैक्षिक संवाद मंच उत्तर प्रदेश द्वारा शिक्षक साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय के संपादन में मेरी शिक्षकीय यात्रा नामक आत्मकथा विधा आधारित एक साझा संग्रह शीघ्र प्रकाश्य है। लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए शाम साढ़े चार बजे से एक आनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें डॉ. मुरारी झा (नई दिल्ली)द्वारा लेखन की बुनियाद = देखना, समझना और व्यक्त करना विषय पर शताधिक शिक्षकों से संवाद होना था।

शिक्षक पढ़ाएं या लिखें, शिक्षक क्यों लिखें, शिक्षक क्या लिखें, शिक्षक कैसे लिखें, शिक्षकों के लेख किसको पढ़ना चाहिए, क्या शिक्षकों के लेखों का संज्ञान लिया जाना चाहिए, इन सवालों के तह तक जाना शिक्षा, शैक्षिक व्यवस्था, बच्चे और समाज सबके लिए बहुत आवश्यक है। प्रशिक्षक डॉ0 मुरारी झा ने बड़ी शालीनता और सहजता के साथ संवाद का सिलसिला शुरू किया, जिस देश में 28 करोड़ से अधिक बच्चे पढ़ रहे हों, एक करोड़ से अधिक शिक्षक पढ़ा रहे हों वहां शिक्षा और शिक्षकों के बारे में शिक्षकों द्वारा लिखी किताबें गिनने पर हाथों की अंगुलियां भी पूरी नहीं होती है। यह शिक्षा व्यस्था का दुर्भाग्य है कि शिक्षा के बारे में ऐसे व्यक्ति लिख रहे हैं जिनका शिक्षा से सीधा सम्बंध नहीं है। और इससे भी अधिक दुर्भाग्य यह है कि इन्हीं पुस्तकों को आधार बनाकर नई नीतियों का निर्धारण किया जा रहा है।

अरे! शिक्षकों का लेखन इस स्तर तक शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है क्या? ऐसा कभी सोचा भी न था। तभी मन ने कहा, चलिए, यह बात तो समझ में आई कि शिक्षकों का लिखना जरूरी है। मगर शिक्षक लिखें तो क्या लिखें?÷सीखना और सिखाना दोनों ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया है। जो व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया से गुजरता है वह निर्माण के पश्चात खुद को सशक्त महसूस करता है। शिक्षक बच्चों की आवाज को सबसे नजदीक से सुनता है। यदि शिक्षक बच्चों की आवाज लिखेगा तो वह सर्वश्रेष्ठ लिखेगा। शिक्षक को अपने अनुभवों को दर्ज करना है क्योंकि उसके अनुभव सबसे शानदार, प्रामाणिक और उपयोगी हैं। यह रिफ्लेक्टिव नोट आगे चलकर बहुत उपयोगी होने वाला है।

ये अनुभव तो तमाम अलग-अलग आयामों में होते हैं। दिन भर छोड़िए, एक ही कक्षा में शिक्षक कई सारे अनुभवों से गुजरता है। तो इन अनुभवों के मध्य सामंजस्य कैसे स्थापित करें?

लिखते समय शिक्षक को यह विचार दिमाग से निकाल देना चाहिए कि वह जो लिख रहा है बहुत साधारण है। जो चीज आप लिखते हैं वह आपके लिए साधारण हो सकती है लेकिन पढ़ने वाले के लिए वह प्रेरक और उपयोगी हो जाती है। शिक्षक को अपने अनुभवों को नियमित रूप से दर्ज करते रहना चाहिए। कुछ समय पश्चात जब आप उसे पढ़ेंगे तो उसके मध्य स्वयं ही पैटर्न बनते दिखाई देंगे और तब आप उसको एक महत्वपूर्ण पुस्तक के रूप में रि-प्रोड्यूस कर पाएंगे। यदि इन बातों को तारीख के साथ दर्ज करें तो आपके पुस्तक की ऑथेंटिसिटी और अधिक बढ़ जाएगी। लिखने के लिए महत्वपूर्ण चरण हैं पढ़ना, अवलोकन, समझना, चिंतन और फिर व्यक्त करना। कमरे में धीरे-धीरे अलमारी के हिस्से तैयार हो रहे थे। कमरा व्यवस्थित होने की राह पर चल पड़ा था। इधर संवाद जारी था।

शिक्षक तो पढ़ाने के लिए प्रायः पढ़ते ही रहते हैं। फिर लिखने के लिए हमें क्या पढ़ना चाहिए? सर्वप्रथम ऐसी पुस्तकों का चयन करना चाहिए जो शिक्षकों द्वारा लिखी गई हैं। इसमें गिजुभाई बधेका की पुस्तक दिवास्वप्न अत्यधिक महत्वपूर्ण है। तोत्तोचान, बच्चे की भाषा और अध्यापक, टीचर आदि महत्वपूर्ण हैं जिन्हें लेखन शुरू करने से पूर्व अवश्य पढ़ना चाहिए। इसके बाद दूसरा काम है अवलोकन। शिक्षक का सामान्य अवलोकन पढ़ने वाले के लिए बहुत खास होने वाला है। शिक्षक अपने दैनिक जीवन में किए गए अवलोकन के प्रति चिंतन करता ही है। बस जरूरत है इन चीजों को नोट करने की। नोट करने के प्रति शिक्षकों में एक रिजेक्शन सा रहता है। आप नहीं लिखेंगे तो आपके बारे में कोई और लिखेगा और फिर वही नरेटिव समाज में जाएगा जो वास्तविकता से बिल्कुल परे होगा। पल भर के लिए मन ने कमरे की सैर कर ली और संवाद से पुनः जुड़ गया।

यदि शिक्षक लिखने लगें तो उनके लिए क्या संभावनाएं हैं और वह शेष समाज को कैसे प्रभावित कर सकता है?

एक शिक्षक से पूछें कि वह क्यों लिखता है तो उसका प्रायः यही जवाब होता है कि वह अपने लिए लिख रहा है। यह उचित भी है। पहले स्वयं के लिए लिखिए और धीरे-धीरे आपका लेखन प्रभावी और धारदार होता चला जाएगा। आपका लेखन पाठ्यक्रम डेवलपमेंट के लिए, व्यवस्था निर्माण के लिए, असेसमेंट के तरीकों को डेवलप करने के साथ ही नीति निर्धारण में भी उपयोगी हो सकता है।

सत्र समाप्ति की ओर था। मैं कमरे के एक कोने में बैठेङ्कबैठे अपने घर को व्यवस्थित होने की खुशी महसूस कर पा रहा था। तभी पड़ोस के मंदिर की सायंकालीन आठ बजे की आरती के मंगल स्वर कानों में घुलने लगे थे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यदि मनुष्य है तो ईमानदारी से सोचे और नहीं तो...

ईमानदारी से सोचे,यदि मनुष्य है तो जरूर सोचे। हम क्या होते हुए है? क्या ईमानदारी,सदाचारी,सत्यवादी,विन्रम, संतोषी, विश्वासी और प्रेम व करूणा, अंहिसा के सनातनी व्यापक धर्म की नैतिक मंजिले पाते हुए है या भ्रष्ट-बेईमान, झूठे, अंहकारी, भूखे, अविश्वासी, घृणा-नफरत, हिंसा से मन-मष्तिष्क, चित्त-वृति को भरते हुए है? मेरा मानना है हम बतौर नागरिक, समाज, धर्म व राष्ट्र उन वृतियों, प्रवृतियों, मन और व्यवहार में वे अवगुण धारते हुए है जिसकी कल्पना कलियुग के सर्वाधिक बुरे समय में भी नहीं थी। निश्चित ही किसी कौम और धर्म का नैतिक पतन देश-काल की आबोहवा की लीला से है। लेकिन हम भारतीयों की समस्या यह है कि हम पहले से ही कलियुग की जिंदगी जी रहे है तो और कितने कलियुगी बनेंगे? कितने और भ्रष्टाचारी, दुराचारी, अंहकारी, झूठे, अविश्वासी, नफरती बनेंगे? व्यक्ति, घर-परिवार, कुनबे, खांप, जात-पात, राजनीति, समाज के वेयक्तिक तथा सामुदायिक व्यवहार में यदि घृणा' ही परमो जीवन धर्म बना तो अपना बनना कैसा होगा? कैसा तो विकसित भारत होगा? कैसे एक भारत, श्रेष्ठ भारत जैसी जुमलेबाजी कोई शक्ल लेगी?घृणा का जन्म प्रतिक्रिया में होता है। वह आंशका, असुरक्षा, ईर्ष्या और भूख से हवा पाती है और मंद-कुंद बुद्धी से पोषित होती है।दुनिया की दूसरी नस्लों में भी घृणा का जीवन व्यवहार है। लेकिन हम हिंदुओं की समाज रचना में ऐसे असंख्य कारण है जिससे पग, पग पर, घर-घर में भूख, ईर्ष्या, असुरक्षा इस अनुपात में बढ़ते हुए है कि जहां चुनाव-राजनीति में घृणा है वही सामाजिक रिश्तों में जलन और नफरत है। वेयक्तिक रिश्तों की असुरक्षाओं से घृणा के अलग नए रूप है। कानून-व्यवस्था, नैरेटिव, बुद्धी सब नफरत में दौड़ती हुई है।इसलिए कटु सत्य है कि 1947 के बाद, विकास की कथित सीढियों के हर मुकाम पर भारत का इस नाते पतन है क्योंकि हर सीढ़ी पर भारतीय दिल-दिमाग भ्रष्ट बना है। लोगों की एक दूसरे की समझ में यह हाल है कि कमोबेस हर व्यक्ति सामने वाले का चेहरा व नाम सुन, उसकी जात, उसके धर्म, उसके व्यवहार, स्वभाव में या तो खतरा बूझता है, ईर्ष्या करता है या उसे लूटने-ठगने की तिकड़म बनाता है और नकली व झूठा व्यवहार बनाता है।हां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर किसी गांव-गली का कोई पंच-सरपंच जब सामने दूसरे को बूझता है तो ऐसा सहज-सरल मनुष्य स्वभाव में नहीं होता है। बल्कि वह सामने वाले को इस नजर से तौलता है कि इससे मेरा क्या? यह किस जात का, किस धर्म का? मेरे लिए ठिक या बुरा? मुझे चाहने वाला या मेरे से नफरत करने वाला? मेरा वोट है या दुश्मन का? मेरी पार्टी या दुश्मन की पार्टी? मेरी जात का या फंला जात का? पैसे वाला या गरीब? और लोगों का इस तरह तौलते हुए भारत के समाज, भारत की इकोनोमी, बाजार, राजनीति, अदालत, हर तरह की व्यवस्था में वह व्यवहार है जिसमें एक-दूसरे पर विश्वास कम है अविश्वास अधिक। एक-दूसरे के प्रति इंसानियत का व्यवहार कम है और नफरत व बदनियती अधिक है। एक-दूसरे की सेवा कम है और लूट अधिक। भलाई कम है बुराई और स्वार्थ अधिक। ऐकलखोरापना अधिक है और दूसरे की चिंता कम है। मैं' अंहम है और हम' का दिखावा है!यह सब क्यों?इसलिए क्योंकि भारत के हम लोग दिमागी तौर पर विकृत हो रहे है। आजादी के बाद का हमारा कुल सफर नैतिक गिरावट का है। और भारत के लिए इक्कीसवीं सदी गिरावट की पाताल भूमि है। वजह राजनीति है। पहले जात की राजनीति फिर धर्म की राजनीति ने हम हिंदुओं में छीनाझपटी का वह संस्कार, स्वभाव पैंठाया है जिसमें मूल्यवत्ता, नैतिकता, काबलियत, चाल, चेहरे, चरित्र का कोई मान नहीं रहा। अब हर व्यक्ति, हर जाति, हर धर्म, अपनी भूख, ईर्ष्या, असुरक्षा में घृणा के इतने रूप धारे हुए है कि ओर- छोर नहीं मिलेगा।निश्चित ही घृणा' में दुनिया की बाकि सभ्यताएं भी है। लेकिन हिंदुओं और बाकि धर्मों, सभ्यताओं का फर्क यह है कि हमने आजादी के बाद असमानताओं को नए आकार, नए लेवल दिए है। बाकि दुनिया में यदि रंगभेद, नस्ल भेद, वर्गभेद, धर्म भेद जैसी सर्वव्यापी असमानताएं है वहीं हम हिंदुओं की ऐसी कुछ यूनिक खूबियां है जिसमें इस राजनीति से मुक्ति संभव हीं नहीं है कि दलित और जाट में नफरत नहीं फैलाई जाए। फारवर्ड बनाम बेकवर्ड आपस में लड़े नहीं। फारवर्ड में ब्राह्मण बनाम राजपूत भिड़े नहीं। वैसे ही बेकवर्ड में भी महाबेकवर्ड, दलितों में भी महादलित तो जयश्री राम बनाम महाकाली, मराठा बनाम गुजराती, उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदू बनाम सिख आदि, आदि की असमानताओं में बस चिंगारी भर भडकानी है लोग अपने आप या तो घृणा में सड़क पर उतर आएंगे या वोट की कतार में लग जातियों, चेहरों के खिलाफ नफरत में वोट डालेंगे।कोई भी काम बुद्धी, विवेक, सत्य, ईमानदारी, काबलियत की कसौटी में अब नहीं है। हर काम, हर फैसला इस स्वार्थ, इस घृणा, इस बदले और इस ख्यास में है कि प्रतिस्पर्धी दुश्मन है, घृणित है। सोचे, राजनीति में नरेंद्र मोदी अपने किस प्रतिद्वंदी से घृणा नहीं करते होंगे? सोचे भाजपा का कौन सा राज्यपाल विपक्ष के मुख्यमंत्री को दुश्मन की निगाह से नहीं देखता होगा? कौन सा अधिकारी, सचिव, नौकरशाह अपनी महत्वांकाक्षा, कंपीटिशन में प्रतिस्पर्धी को डाउन करने के लिए वे तिकड़में नहीं अपनाता होगा जो अनैतिक है? इस क्रम को भारत में किसी भी लेवल, मानवीय रिश्तों, सेवा, चिकित्सा, शिक्षा की दुकानों, उद्यमों, व्यवहारों में आजमाएं तो चौतरफा समझ आएगा हम लोगों की वृति, प्रवृति क्या हो गई है? या तो स्वार्थ है या घृणा।हाल के ऐसे कुछ फोटों दिखे, खबरें जानी,जिससे सवाल उठा घृणा किस-किस तरह बोलती हुई है? ठिक है अरविंद केजरीवाल से मोदी, शाह, भाजपा सब घृणा करें लेकिन ऐसा क्या जो उनके छोड़े मकान और नई मुख्यमंत्री आतिशी की उस पर शिफ्टिंग में भी दुश्मन को बदनाम करने का मौका नहीं चूका जाए। क्या तुक है जो एक चुनाव जीतने के लिए हिंदुओं को घृणा के ये टीके लगे कि बंटोगें नहीं तो कटोंगे! मुझे बहुत बुरा लगा जब उपराज्यपाल मनोज सिंहा और उमर अब्दुला का फोटो देखा। मानों भविष्य का संकेत। उमर अब्दुला कश्मीरी वेशभूषा में ऐंठ और अकड़ के अंदाज में और मनोज सिंहा भी सर्द। और कोई न माने इस बात को लेकिन मेरी फील है इस दफा बंगाल में दुर्गा पूजा फीकी थी। राजनीति की घृणा की छाप त्योहार पर थी। क्या अर्थ है इसका जो बंगाल का राज्यपाल ऐलान करें कि वे मुख्यमंत्री के साथ कोई मंच साझा नहीं करेंगे? और ऐसी क्या दुश्मनी जो योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को जेपी की मूर्ति पर माला नहीं चढ़ाने दी। उसे रोकने के लिए पुलिस की भारी तैनातनी और मानों भारत व पाकिस्तान के बीच शक्ति परीक्षण हो!घृणा का हिंदू-मुस्लिम मामला और हिंसा अपनी जगह है। असल बात है कि जैसे राजनीति की छोटी-छोटी बातों में भी खुन्नस है तो व्यक्तियों, परिवारों, समाज के रिश्तों में भी आंशका, असुरक्षा, ईर्ष्या और भूख में घृणा का जो नया व्यवहार बन रहा है वह जातिगत दंगल के अलावा भी है। और इसकी कोई सुध नहीं है। हाल में मालूम हुआ भारत में लड़के-लडकियां शादी के पहले अब प्रीनप समझौते याकि लिखित अनुबंध कर रहे है ताकि शादी के बाद कानूनी अधिकारों, प्रोपर्टी के मामले पहले तय हो। गुजरात से खबर थी कि पहले युवती ने दुल्हन बनने का एग्रीमेंट किया, परिवार से मोटी रकम मांगी और फिर शादी से पहले गायब हो गई। इस तरह के वेयक्तिक रिश्तों में भूख, असुरक्षा, पंगेबाजी, नफरत और दुश्मनी में क्या-क्या फिर होता है इसका रूटिन पुलिस थानों, अदालतों में अब ऐसा भयावह है जिस पर लिखना महाभारत जैसा होगा!

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता
जय किसान

लक्ष्मी नारायण
सेन
खुटेरी फिंगेश्वर
गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

जय हो जय किसान
तुम भी हम जैसे इंसान
जगत में आप हो महान
त्याग कर्म है ईश समान।।
जय हो जय किसान
जग का तूं है विश्वप्राण
कैसे करूं मैं बखान
श्रम का तूं है खान।।
जय हो जय किसान
अन्न दाता है महान
सर्दी गर्मी सहता तुफान
रचता जग में नया बिहान।।
जय हो जय किसान
देता सबको मीठा मुस्कान
सदा करता धरा का सम्मान
धरती का सगा पुत्र समान।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता
बाकी भोले देखेंगे

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
इंदौर (मध्यप्रदेश)

कर्म किए जा बस दुनिया में,
बाकी भोले देखेंगे,
मन से बस तू पावन बन जा,
मुस्कानों के फूल झरेंगे।
कर्म किए जा .....
सुबह-सवेरे जो भोले का,
नाम जुबां से लेता है,
मन का मंदिर खुल जाता है,
वो भोले का होता है।
कर्म किए जा ....
अपना-अपना तो सब करते,
काम नया नहीं होता है,
जो बनता दुखियों का भागी,
काम नया वहीं होता है।
कर्म किए जा .....
चलते-चलते जो थम जाता,
समय नहीं रुक पाता है,
लिखा हुआ जो भाग में तेरे,
वही तुझे मिल पाता है।
कर्म किए जा .....
आओ जीवन की धारा को,
मस्ती में बह जानें दें,
मिल जाएं जब भोले हमको,
भोले-भोले गानें दें।
कर्म किए जा .....

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

विकास की एक नई उड़ान तय करेगा अब सरगुजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल मां महामाया दरिमा एयरपोर्ट का किया शुभारंभ

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80 करोड़ की लागत से बने मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा अंबिकापुर का वर्चुअल शुभारंभ किया। वे शाम 5 बजे से बनारस से लाइव जुड़े थे। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि पहले देश में 70 एयरपोर्ट थे, अब 150 से ज्यादा एयरपोर्ट हैं। जो पुराने एयरपोर्ट हैं,उनका भी रिनोवेशन हो रहा है।

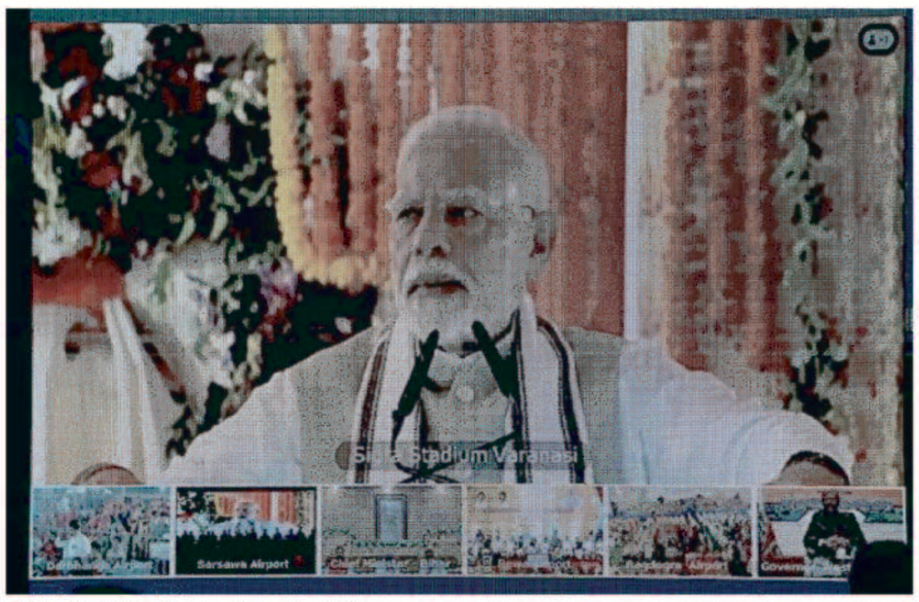

राज्यपाल रमेन डेका ने मां महामाया एयरपोर्ट अंबिकापुर के लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन सरगुजा अंचल के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, मां महामाया एयरपोर्ट के प्रारंभ होने से इस अंचल में विकास के नये आयाम खुलेंगे। एयरपोर्ट के माध्यम से सरगुजा क्षेत्र के नागरिकों और उद्योगपतियों के लिये एक बेहतर एयर कनेक्टिविटी स्थापित होगा। बस्तर के बाद सरगुजा प्रदेश का दूसरा बड़ा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहां यह सुविधा प्रारंभ हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह उड़ान छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाईयों की ओर ले जायेगी। सरगुजा, प्रदेश ही नहीं अपितु पूरे देश में विकास की एक नई उड़ान तय करेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अम्बिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट का लोकार्पण करके आदिवासी बहुल सरगुजा अंचल में विकास के एक नये युग की शुरूआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट सरगुजा के लोगों के सपनों से जुड़ा हुआ है। यहां के लोग वर्षों से सपना देखते आए हैं कि यह आदिवासी अंचल भी एयर कनेक्टिविटी के जरिए देश के शेष हिस्से से जुड़ेगा। उनके इस सपने के पूरा होने का समय आ चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप देश में हवाई चप्पल पहनने वालों का हवाई जहाज के सफर का सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन् देश में बेहतर विमानन सेवा की स्थापना करना और देश के सभी हिस्सों को इससे जोडऩा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एयरपोर्ट का आज लोकार्पित होना सरगुजा के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए भी बड़ी खुशखबरी है। जगदलपुर, रायपुर, बिलासपुर के लोग भी लंबे समय से उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जब वे आसानी से अम्बिकापुर आ जा सकेंगे। यह एयरपोर्ट प्रदेश के दो बड़े आदिवासी संभागों को भी जोड़ेगा, इसलिए इसका लोकार्पण राज्य के आदिवासी समुदाय के विकास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ में एयर कनेक्टिविटी को सघन करने के लिए लगातार कदम उठाए गए हैं। जगदलपुर, रायपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट पर भी सुविधाओं और उड़ानों की संख्या में वृद्धि हो चुकी है।

1950 में हुआ था हवाई पट्टी का निर्माण

मां महामाया एयरपोर्ट, अंबिकापुर में लगभग 80 करोड़ की लागत से कार्य किए गए हैं। दरिमा हवाई पट्टी का निर्माण वर्ष 1950 में हुआ था, इसे प्रारंभिक दौर में डब्लूबीएम सतह से निर्मित किया गया था, जिसकी लंबाई 1200 मीटर थी। यह हवाई पट्टी अम्बिकापुर शहर से 13 किमी की दूरी पर दरिमा ग्राम में निर्मित है। इसका सम्पूर्ण क्षेत्रफल 365 एकड़ है एवं यह हवाई पटटी समुद्र तल से 1924 फीट ऊंचाई में स्थित है।

कार्यक्रम में ये रहे शामिल

इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री अरूण साव, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री,श्यामबिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, संसदीय क्षेत्र सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज,अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल,सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, संचालक, एविएशन संजीव झा, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल उपस्थित रहे।

सरगुजा की बढ़ती संभावनाएं

मां महामाया एयरपोर्ट के शुरू होने से सरगुजा के लोग सीधे रायपुर, दिल्ली, कोलकाता,जबलपुर,और अन्य बड़े शहरों से जुड़ सकेंगे। इस पहल से यहां के छात्रों को बेहतर शिक्षा के लिए बाहर जाने का मौका मिलेगा,व्यापारी अपने व्यापार को फैलाने के लिए नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और सबसे महत्वपूर्ण, मरीजों को इलाज के लिए बेहतर सुविधाओं तक आसानी से पहुंच मिल सकेगी।

अंबिकापुर के एक युवा उद्यमी राजेश बताते हैं,अब हमें अपने उत्पादों को दूसरे शहरों तक पहुंचाने में आसानी होगी। पहले सडक़ मार्ग से यह सफर लंबा और महंगा होता था, लेकिन अब हम अपने स्थानीय उत्पादों को सीधे दिल्ली और कोलकाता जैसे शहरों तक पहुंचा सकते हैं। यह एयरपोर्ट सरगुजा की आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा, और यहां के छोटे-बड़े व्यापारी भी इस बदलाव को लेकर उत्साहित हैं।

पर्यटन के लिए नए रास्ते

सरगुजा की खूबसूरत घाटियाँ, मैनपाट का हिल स्टेशन, और रामगढ़ की ऐतिहासिक गुफाएं यहां के प्रमुख पर्यटन स्थलों में गिनी जाती हैं। अब इस एयरपोर्ट के शुरू होने से पर्यटकों के लिए यहां आना आसान हो जाएगा। पर्यटन से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे सरगुजा का आकर्षण और बढ़ेगा। स्थानीय गाइड शंकर कहते हैं, पहले पर्यटकों को यहाँ आने के लिए घंटों की सडक़ यात्रा करनी पड़ती थी, पर अब वे सीधे फ्लाइट से आ सकते हैं। इससे हमारा पर्यटन व्यवसाय बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

कांग्रेस के पूर्व विधायक डॉ प्रीतम राम पर हमला,गाड़ी में की गई तोड़फोड़

– संवाददाता –
बलरामपुर,20 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के राजपुर में निवासरत कांग्रेस के पूर्व विधायक डॉ प्रीतम राम के गाड़ी के ऊपर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। गाड़ी में पूर्व विधायक और चालक समेत 3 लोग सवार थे। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को वहां से भगा दिया जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। शनिवार की देर रात पूर्व विधायक ग्राम कोदौरा एक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।गाड़ी में दो स्थान पर निशान हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि गोली चलने जैसी आवाज आई थी और गाड़ी में बड़ा निशान भी हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार बदलते ही उनके सुरक्षाकर्मियों को भी हटा लिया गया है और अब वे भय के माहौल में कहीं भी आवागमन कर रहे हैं।

वहीं इस पूरे मामले में एनएसयूआई ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद पूर्व विधायक का सुरक्षा गार्ड हटा लेना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भाजपा शाशनकाल में कोई भी सुरक्षित नहीं है। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि अगर पूर्व विधायकों को फिर से सुरक्षा नहीं दिया जाता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बता दें कि 2023 के विधानसभा चुनाव में डॉ प्रीतम राम लुंड्रा विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे। भाजपा के प्रबोध मिंज ने उन्हें 24128 वोटों से हराया था। चुनाव हारने के बाद कई पूर्व विधायकों की सुरक्षा हटा दी गई थी। इन विधायकों में डॉ. प्रीतम राम भी शामिल थे। इसी बीच अब उन पर हमला हो गया है। उन्होंने बलरामपुर एसपी एवं सूरजपुर एसपी को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। आखिर यह हमलावर कौन थे और उन्होंने पूर्व विधायक को निशाना क्यों बनाया यह जांच के बाद ही सामने आ पाएगा।

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने रखा करवा चौथ का व्रत

– संवाददाता –
अंबिकापुर,20 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। सुहागिन महिलाओं ने रविवार को करवा चौथ का व्रत रखा। पूरे दिन महिलाएं पति की दुर्घायु के लिए नर्जिला रखकर शाम को भगवान गणेश व पार्वती की पूजा की। इसके बाद चांद व पति के चेहरे को देखकर व्रत को तोड़ा। करवा चौथ को लेकर कई दिनों से तैयारी कर रखीं थी। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है।

जिले में करवा चौथ का व्रत धूमधाम से मनाया गया। महलाएं कई दिनों से तैयारी कर रहीं थीं। महिलाएं पूरी श्रृंगार कर भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा कर पति की दुर्घायु की कामना की। शाम 7 बजे के बाद महिलाएं चांद के निकलने का इंतजार करतीं रहीं।

डॉ.प्रेम प्रकाश सिंह संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के नए कुलपति

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 20 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में 3 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 52 लागू की गई थी। इससे जुड़ी एक अधिसूचना का प्रकाशन राजपत्र में कर कुलपति की शक्तियां छीन ली गई थी। अब ये सारे अधिकार राज्यपाल के पास चले गए थे। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में धारा 52 लागू करने के तीन कारण बताए गए थे जो विवि में कुछ सालों से चले आ रहे विवादों से जुड़े थे। इसी क्रम में राज्य शासन के आदेश पर डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह प्राध्यापक (प्राणीशास्त्र) विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किए गए हैं। वहीं पूर्व कुलपति डॉ. अशोक ङ्क्षसह को प्रभाव से हटा दिया गया है। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह महली भगत शासकीय स्नातक महाविद्यालय कुसमी में प्राध्यापक के पद पर पदस्थ थे। इन्होंने रविवार को पदभार ग्रहण किया है।

गौरतलब है कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से ही विवादित कार्यशैली की वजह से सुर्खियों में रहा है। विशेषकर यहां प्रशासनिक पदों को लेकर टकराव की स्थिति व अव्यवस्था स्थापना काल से ही चली आ रही है। इसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता है। ये विवाद इस कदर बढ़ा कि अब राज्य सरकार द्वारा 3 अक्टूबर को राजपत्र में अधिसूचना का प्रकाशन कर छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 52 लागू कर दी गई थी। इससे 3 अक्टूबर से कुलपति अशोक सिंह की शक्तियां क्षीण हो गई थी। इनके सारे अधिकार राज्यपाल के पास चले गए थे। इसी क्रम में 20 अक्टूबर को पत्र जारी कर राज्यपाल रमेन डेका ने कुलाधिपति संत गहिरा गुर विश्वविद्यालय को छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की यथा उपांतरित धारा 13 एवं 14 सहपाठित धारा 52 (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों को प्रयाग करते हुए एवं राज्य शासन के परामर्श से डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह प्राध्यापक (प्राणीशास्त्र) स्व. महली भगत शासकीय स्नातक महाविद्यालय कुसमी जिला बलरामपुर को अगामी आदेश तक कुलपति नियुक्त किया गया है। जिन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है।

आवश्यकता है
दैनिक अख़बार घटती घटना
में मशीन हेल्फर की आवश्यकता है
कार्य समयः शाम 7 बजे से देर रात तक
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
संपर्क-संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,नमनाकला
अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़, मो. 9826532611
योग्यता 10वीं पास
वेतन 7 से 10 हजार

नेतन्याहू के घर पर हमले की कीमत चुकाएगा ईरान...इजरायल की सीधी धमकी से घबराया शिया मुल्क,संयुक्त राष्ट्र की शरण में पहुंचा

यरुशलम,20 अक्टूबर 2024। हिजबुल्लाह के ड्रोन हमले में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर को निशाना बनाए जाने के बाद इजरायल ने ईरान को अंजाम भुगतने की धमकी दी है। इजरायल ने इसे प्रधानमंत्री नेतन्याहू की हत्या का प्रयास बताया है। इजरायली मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रोन ने प्रधानमंत्री के घर पर हमला किया। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब नेतन्याहू से जुड़े किसी लक्ष्य को निशाना बनाया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बाद में जानकारी देते हुए बताया कि हमले के समय प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी घर पर नहीं थे।

नेतन्याहू ने सीधे लिया ईरान का नाम

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बाद में एक बयान में हमले में घर को निशाना बनाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए सीधे ईरान को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ईरान के जिन एजेंटों ने आज मेरी और मेरी पत्नी की हत्या करने करने की कोशिश की, उन्होंने भारती गलती की है। उन्होंने आगे कहा, जो कोई भी इजरायल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इजरायली नेताओं ने ईरान को बताया जिम्मेदार

नेतन्याहू के बयान के बाद उनकी सरकार में शामिल नेताओं और विपक्षियों ने भी उनके सुर से सुर मिलाया। उनमें से कई ने चेतावनी दी कि ईरान को अपने प्रॉक्सी हिजबुल्लाह की हरकतों पर पछतावा होगा। रक्षा मंत्री याव गैलेंट ने कहा, यह हमला इजरायल राज्य और उसकी सरकार के प्रतीकों पर था। इजरायल राज्य को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी दुश्मन पर ताकत के साथ हमला करेगा। इजरायली संसद के अध्यक्ष नेसेट के अध्यक्ष आमिर ओहाना ने कहा कि ईरान ने अपने प्रॉक्सी हिजबुल्लाह के माध्यम से बड़ी गलती कर दी है। ओहाना ने आगे कहा, इजरायल के प्रधानमंत्री को निशाना बनाया गया है और उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। कीमत चुकाने के बाद उन्हें अफसोस होगा कि उन्होंने कागज का विमान उड़ाना सीखा था।

ईरान ने हमले से बनाई दूरी

इजरायल की तरफ से जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद ईरान ने ड्रोन हमले से खुद को दूर रखने और पूरी जिम्मेदारी हिजबुल्लाह के ऊपर मढ़ने का प्रयास किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन ने एक बयान में 1 अक्टूबर को इजरायल पर मिसाइल हमले का संदर्भ देते हुए कहा कि उसने पहले ही इजरायली शासन को जवाब दिया है। यह (ड्रोन) कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह द्वारा की गई है।

चीन की खुशामद में उतरे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली,किया ये बड़ा ऐलान

काठमांडू, 20 अक्टूबर 2024। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली पूरी तरह से चीन की बीन बजाने लगे हैं। उन्होंने रविवार को चीन की खुशामद में बड़ा ऐलान कर डाला है। भारत से अपने संबंधों को पूर्व कार्यकाल में ही बिगाड़ चुके केपी ओली का इस कार्यकाल में फिर से चीन प्रेम उमड़ पड़ा है। केपी ओली ने कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह 'एक चीन' नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की।

यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आधिकारिक आवास पर हुई। 'एक चीन' नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। चीन का दावा है कि अलग हुआ देश ताइवान उसका हिस्सा है और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए एक चीन नीति का पालन करना अनिवार्य है।

चीन से समर्थन की उम्मीद में ओली

बीजिंग के लिए बैठक के दौरान इतना बड़ा ऐलान करने वाले ओली को अब नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा है। प्रधानमंत्री के सचिवालय के अनुसार, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) पार्टियों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने और सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बातचीत हुई। ओली सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष हैं और उन्हें चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है।

हमास चीफ सिनवार का नया वीडियो सामने आया:इजराइल पर हमले से पहले सुरंग में जाता दिखा,पत्नी और बच्चे भी साथ थे

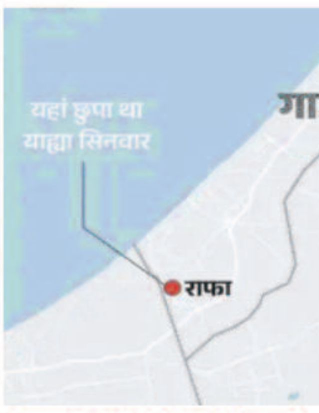

मैप प्रतीकात्मक है।

तेल अवीव,20 अक्टूबर 2024। इजराइल ने हमास चीफ याह्या सिनवार से जुड़ा एक और वीडियो रिलीज किया है। इस वीडियो में सिनवार गाजा की एक सुरंग में परिवार के साथ जाता हुआ दिखाई दे रहा है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक,सिनवार का ये वीडियो पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले से पहले का है।

इजराइल की तरफ से जारी किए गए वीडियों में सिनवार 6 अक्टूबर की देर रात अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक सुरंग में जाते हुए देखा जा सकता है। वे सभी बंकर में अपने लिए सामान लेकर जा रहे थे। इस बंकर को बाद में IDF ने खोज निकाला था।

IDF के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने शनिवार को बताया कि ये सुरंग दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में सिनवार के घर के नीचे थी।

गाजा में लोग बोले- हीरो इसी तरह मरते हैं वहीं, हमास लीडर याह्या सिनवार की मौत गाजा में लोगों के लिए मिसाल बन रही है । रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हमास सिनवार की मौत से पहले के वीडियो से लोगों को जोड़ने की कोशिश कर रहा है। एक चैनल के इंटरव्यू के दौरान गाजा के अदेल रजाब ने कहा, सिनवार मिलिट्री वेस्ट पहने हुए लड़ता हुआ मरा। घायल होने के बाद भी उसने लाठी से लड़ाई की। हीरो इसी तरह मरते हैं ।

सिनवार की मौत के बाद हमास ने एक बयान में कहा कि उसकी मौत से आंदोलन और मजबूत होगा। इससे पहले सितंबर में हुए एक सर्वे में गाजा के ज्यादातर लोगों ने कहा था कि उन्हें 7 अक्टूबर को इजराइल पर किया हमला गलत लगता है। सिनवार जंग चाहता है जिसकी वजह से हमें परेशानी हो रही है, मगर अब लोग उसे एक हीरो की तरह देख रहे हैं।

एक और नागरिक रशा ने कहा कि इजराइल कहता था कि सिनवार सुरंगों के अंदर छिपा रहता है और अपनी जान बचाने के लिए बंधकों को ढ़ाल बनाता है, मगर कल हमने देखा कि वह रफाह में इजराइली सैनिकों को मार रहा था। जहां उन्होंने मई से कब्जा कर रखा है। मेरे लिए वह एक शहीद है।

रूटीन ऑपरेशन में मारा गया सिनवार इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने 16 अक्टूबर को रूटीन ऑपरेशन में दक्षिणी गाजा की एक इमारत पर हमला किया था। इसमें हमास के 3 सदस्यों के मारे जाने की खबर आई। बाद में पता चला कि इनमें से एक याह्या सिनवार है।

इसके बाद इजराइल के PM बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार रात, 17 अक्टूबर को सिनवार की मौत की पुष्टि की। नेतन्याहू ने वीडियो मैसेज में कहा, ÷हमने हिसाब चुकता कर दिया, लेकिन जंग अभी जारी है।

सिनवार की मौत के बाद उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। इसमें उसके चेहरे, दांत और घड़ी से दावा किया गया कि मारा गया शख्स याह्या सिनवार है। सिनवार की मौत की जांच के लिए DNA टेस्ट किया गया। हमास नेता खलील अल हय्या ने भी 18 अक्टूबर को सिनवार की मौत की पुष्टि की थी।

जंग शुरू होने के एक साल 9 दिन में सिनवार का खात्मा 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर 3 हजार से ज्यादा रॉकेट दागे थे। इसके अलावा कई सौ लड़ाके इजराइल में घुसे थे, जिन्होंने कई इजराइलियों को मारा और 200 से ज्यादा को बंधक बना लिया था। इसी दिन से इजराइल ने सिनवार की तलाश शुरू कर दी थी। सिनवार को मारने के लिए इजराइल ने कई कोशिशें की थीं।

इनमें कामयाबी नहीं मिल सकी थी। 23 सितंबर को भी सिनवार की मौत का दावा किया गया था। बाद में वह गलत साबित हुआ। आखिरकार सिनवार जंग शुरू होने के एक साल 9 दिन के भीतर 16 अक्टूबर को मारा गया।

हमास की टॉप लीडरशिप में सिनवार ही बचा था इजराइल पर पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए हमले के तीन अहम किरदार थे। इनमें पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानिये, मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ के अलावा गाजा में हमास का लीडर याह्या सिनवार शामिल था। 31 जुलाई को ईरान में हानिये की मौत के बाद सिनवार ही संगठन का नया चीफ बना था।

वहीं, हमास के मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ की 13 जुलाई को ही एक हवाई हमले में मौत हो गई थी, जिसकी पुष्टि 1 अगस्त को हुई थी। ऐसे में हमास की टॉप लीडरशिप में सिर्फ सिनवार ही बचा था। लिहाजा इजराइल का पूरा ध्यान इस वक्त सिनवार को ढूंढकर उसे मारने पर था।

पाकिस्तान के संविधान में बड़े बदलाव की तैयारी, क्या है शाहबाज सरकार का सीक्रेट प्लान ?

इस्लामाबाद,20 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान मंत्रिमंडल ने रविवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में गठबंधन सहयोगियों से आम सहमति लेने के बाद विवादास्पद 26वें संविधान संशोधन के प्रस्तावित मसौदे को मंजूरी दे दी।

अब कानून मंत्री तरार ने सीनेट में संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इससे पहले डॉन न्यूज ने प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के हवाले से बताया, संघीय मंत्रिमंडल ने सरकार और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी सहित उसके गठबंधन दलों के 26वें संविधान संशोधन के प्रस्तावित मसौदे को मंजूरी दे दी है।

शहबाज ने राष्ट्रपति से की चर्चा

एक्सप्रेस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक,मंत्रिमंडल की बैठक से पहले प्रधानमंत्री शहबाज ने प्रस्तावित संविधान संशोधन पर विस्तृत चर्चा के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति को जानकारी दी गई और उनसे परामर्श किया गया।

बैठक के बाद संघीय मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि सरकार ने अपने मसौदे को मंजूरी दे दी है, जिसे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), सरकार और गठबंधन सहयोगियों के सहयोग से तैयार किया गया था। मंत्रिमंडल ने आधिकारिक तौर पर मसौदे का समर्थन किया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, गठबंधन सरकार बहुप्रतीक्षित 26 वें संविधान संशोधन को संसद में पारित करवाने को लेकर बेहद आशावादी है।

सार्वजनिक नहीं किया गया है विवरण

सीनेट सचिवालय की एक अधिसूचना में कहा गया है कि ऊपरी सदन का सत्र दोपहर 3 बजे शुरू होगा। एनए सचिवालय की एक अलग अधिसूचना के अनुसार, नेशनल असेंबली का सत्र शाम 6 बजे शुरू होगा। असेंबली के प्रवक्ता के अनुसार, नेशनल असेंबली के आज के सत्र के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें अतिथियों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध है।

शनिवार रात को, बिल पर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के साथ चर्चा की गई। संशोधनों का विवरण अभी भी एक रहस्य है, क्योंकि सरकार ने इसे आधिकारिक तौर पर मीडिया के साथ साझा नहीं किया है या सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा नहीं की है। अब तक जो रिपोर्ट की गई है, उससे पता चलता है कि बिल का कथित उद्देश्य एक स्वतंत्र न्यायपालिका की शक्ति को कमजोर करना है।

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि सरकार न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल तय करने की योजना बना रही है। संविधान संशोधन के लिए नेशनल असेंबली और सीनेट में दो-तिहाई बहुमत के साथ अलग-अलग पारित होने की आवश्यकता होती है। इससे पहले, सरकार के पास सीनेट और नेशनल असेंबली में आवश्यक संख्या नहीं थी।

आम सहमति बनाने का प्रयास

हालांकि, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया है कि सरकार के पास अब आवश्यक संख्या तक पहुंचने के लिए समर्थन है। जेयूआई-एफ के मौलाना रहमान ने बिलावल के साथ मीडिया से देर रात बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से प्रतिक्रिया मिलने के बाद 26वें संविधान संशोधन का समर्थन करेगी और आगे विचार-विमर्श के लिए एक दिन का समय मांगा।

रहमान ने कहा कि सरकार द्वारा पार्टी को स्वीकार्य नहीं होने वाले सभी हिस्सों को हटाने पर सहमत होने के बाद जेयूआई-एफ संवैधानिक पैकेज पर आम सहमति पर पहुंच गई। बिलावल, जो आवश्यक संख्यात्मक शक्ति हासिल करने के आधिकारिक प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं।

चोर होने के शक में भीड़ ने शाहबाज और अकरम को पीटा, एक की हुई मौत, दूसरा अस्पताल में

वडोदरा ,20 अक्टूबर 2024। गुजरात के वडोदरा शहर में चोर होने के शक में भीड़ ने 2 लोगों की पिटाई कर दी जिससे एक शख्स की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय लोगों ने कुल 3 लोगों को पकड़ा था जिनके खिलाफ पहले भी चोरी के केस दर्ज थे। डीसीपी पन्ना मोमाया ने बताया कि वरासिया इलाके में एक पुलिस थाने के पास आधी रात को हुए हमले के दौरान भीड़ को रोकने की कोशिश में 3 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

POLICE LINE DO NOT CROSS

चोरी की बाइक पर घूम रहे थे तीनों

डीसीपी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने 3 लोगों को पकड़ लिया जिनके खिलाफ चोरी के कई मामले दर्ज हैं और वे उस समय इलाके से भागने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि तीनों चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार होकर इस क्षेत्र में आए थे और कथित तौर पर चोरी करने की नीयत से घूम रहे थे। उन्होंने बताया, 3 लोग चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार थे। उन्होंने अपनी बाइक खड़ी की और साथ-साथ चलने लगे तभी कुछ लोगों ने उनसे पूछा कि वे इतनी रात को वहां क्या कर रहे हैं। उन्होंने भागने की कोशिश की और उनमें से 2 को भीड़ ने पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी।'

ड्रोन से देखा और रॉकेट से हमला;रूसी ठिकानों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा यूक्रेन

मॉस्को, 20 अक्टूबर 2024। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में यूक्रेनी सेना अपनी जमीन पर जमे रूसी सैनिकों के लिए काल बनी हुई है। हाल ही में यूक्रेन के दक्षिणी सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने कहा कि हमने रूसी सेना के एक प्रशिक्षण केंद्र को रॉकेट से निशाना बनाया है। यूक्रेनी सेना ने इस हमले का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक ड्रोन पहले रूसी ठिकानों की लोकेशन का पता लगाता है और फिर सैंकड़ों किलो के रॉकेट उन पर हमला बोल दिया। वीडियो में दिखाया गया कि हमले के तुरंत बाद रूसी ठिकाने पर एक विस्फोट होता है, जिससे वहां मौजूद इमारतों को नुकसान होता है, उसके बाद पूरे क्षेत्र में कई विस्फोट हुए।

यूक्रेनी सेना ने मारे गए रूसी सैनिकों की संख्या पर तो कोई दावा नहीं किया लेकिन उन्होंने कहा कि इस हमले के दौरान इस कैंप में करीब दो दर्जन से ज्यादा रूसी सैनिक मौजूद थे। फेसबुक पोस्ट में यूक्रेनी सेना ने लिखा कि दक्षिणी यूक्रेन के रक्षा बलों ने दुश्मन सैनिकों के एक ट्रेनिंग सेंटर की खोज की और उस पर रॉकेट से हमला कर दिया। इस हमले के दौरान वहां पर करीब दो दर्जन रूसी सैनिक मौजूद थे।

इससे पहले, इस युद्ध पर नजर रख रहे क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन ने रूसी ठिकानों के निशाना बनाते हुए लगातार ड्रोन्स के जरिए हमला करना जारी रखा है। यूक्रेनी सीमा से जुड़े शहरों के मेयरों ने भी यूक्रेनी सेना की तरफ से ड्रोन हमले के बारे में जानकारी दी है। राजधानी के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि हमारे एयर डिफेन्स सिस्टम ने कई यूक्रेनी ड्रोन्स को मार गिराया है। हालिया जानकारी के अनुसार इन गिराए ड्रोन्स का मलबा रामेंस्की क्षेत्र में गिरा, जहां पर किसी के भी घायल होने या मारे जाने की सूचना नहीं है।

यूक्रेनी सेना रूसी इलाकों में लगातार ड्रोन्स और छोटी मिसाइलों के जरिए हमला कर रही है। क्योंकि कई यूरोपिय देशों ने अपने हथियारों का इस्तेमाल रूसी जमीन पर करने से इंकार किया है। इस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि वह अपने हथियारों के दम पर रूस का मुकाबला करेंगे। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन्स का निर्माण करने के लिए पूरे यूक्रेन में की भूमिगत फैक्ट्रियां बना रखी हैं।

रूस और यूक्रेन की जंग और बढ़े स्तर पर बढ़ती जा रही। उत्तर कोरियाई सैनिकों के युद्ध मैदान में आ जाने के बाद रूस का पलड़ा भारी होता नजर आ रहा है। हालांकि विशषज्ञों का कहना है कि रूस उत्तर कोरियाई सैनिकों का उपयोग युद्ध क्षेत्र में न करके उन्हें रिजर्व रखेगा।

यूक्रेन का दावा है कि 2022 में युद्ध की शुरुआत के बाद से उसने अब तक लगभग 6.7 लाख रूसी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया है। यूक्रेनी रक्षा बलों ने शनिवार को कहा कि उन्होंने इस साल 8 अरब डॉलर के बराबर 144 रूसी तोपखाने ब्रिगेड को नष्ट कर दिया है।

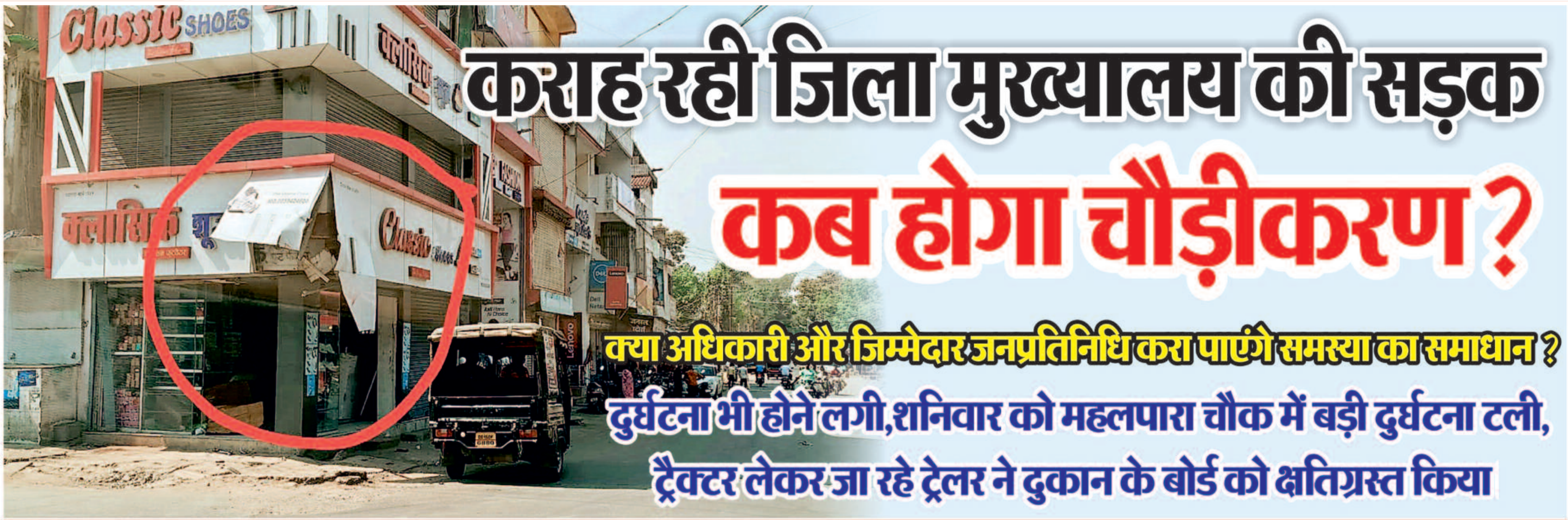

कराह रही जिला मुख्यालय की सड़क

कब होगा चौड़ीकरण ?

क्या अधिकारी और जिम्मेदार जनप्रतिनिधि करा पाएंगे समस्या का समाधान ?

दुर्घटना भी होने लगी,शनिवार को महलपारा चौक में बड़ी दुर्घटना टली, ट्रैक्टर लेकर जा रहे ट्रेलर ने दुकान के बोर्ड को क्षतिग्रस्त किया

आए दिन लग रहा जाम,त्यौहारी सीजन में समस्या और भारी,चौड़ीकरण में बाधक हैं कुछ व्यापारी,फैला आक्रोश

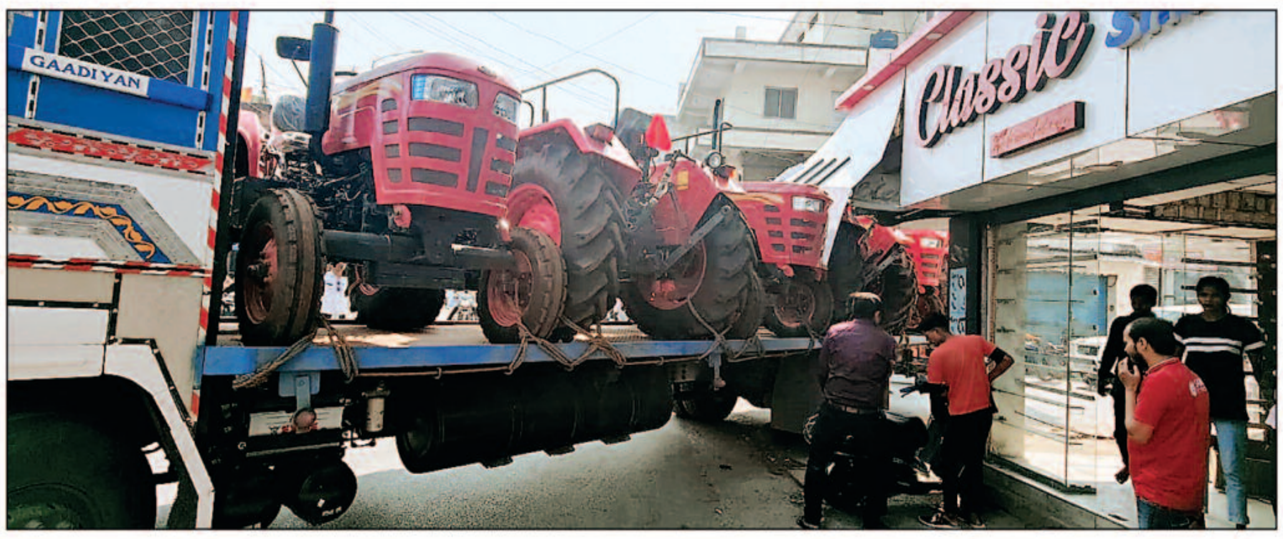

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,20 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण नही होने से व्यापारी और आम जन काफी परेशान हैं, समय समय पर प्रशासन द्वारा नाप जोख कराया जाता है जिससे लोगो को चौड़ीकरण की उम्मीद जग जाती है लेकिन इसके बाद फिर उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है, चौड़ीकरण ना होने के कारण त्यौहारी सीजन में जाम से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है, आधा दर्जन से ज्यादा बार चौड़ीकरण के लिए नापजोख किया जा चुका है लेकिन उस दिषा में आगे काम नही हो पा रहा है, जिला प्रषासन के अधिकारी समेत जनप्रतिनिधियों द्वार आए दिन चौड़ीकरण की बात कही जाती है लेकिन अब उनके लिए भी यह चुनौती बन गया है। चौड़ीकरण ना होने से अब दुर्घटनांए भी होने लगी हैं,षनिवार को ही जब साप्ताहिक बंदी का दिन रहता है और अमूमन भीड़ भाड़ कम ही रहता है उसी दिन महलपारा चौक पर एक बड़ी दुर्घटना टल गई। दिनों दिन चौड़ीकरण को लेकर आक्रोष फैलता जा रहा है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जिला मुख्यालय की सड़क खुद के चौड़ीकरण के लिए कराह रही है लेकिन आज तक समाधान नही हो पा रहा है।

विधायक ने भी कहा है होगा चौड़ीकरण

चुनाव के दौरान अब चौड़ीकरण का मुद्दा भी उठने लगा है,वर्तमान विधायक भईयालाल राजवाड़े ने भी चौड़ीकरण कराये जाने का वादा किया है उन्होने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मिलकर चौड़ीकरण हेतु राशि उपलब्ध कराये जाने की मांग की है। विधायक ने वादा तो किया है लेकिन अभी तक राज्य सरकार की ओर से भी कोई ठोस उम्मीद नजर नही आती है।

जाम से हो रही परेशानी

चौड़ीकरण की समस्या आज प्रमुख समस्या बन गई है, साप्ताहिक बाजार के अलावा त्यौहारी सीजन हो या कि सामान्य दिनों में भी जाम की स्थिति बनती है। शहर में भी तेजी से दुपहिया एवं चारपहिया वाहने बढी हैं,स्थानीय नागरिक भी वाहन में ही बाजार आते हैं लेकिन उन्हे काफी परेशानियां हो रही हैं।

व्यापार भी हो रहा चौपट

सड़क चौड़ीकरण ना होने से अब शहर का व्यापार भी बुरी तरह चौपट हो रहा है,लोग जाम से बचने खरीददारी करने नही आते अब स्थानीय नागरिक खरीददारी हेतु पटना, सूरजपुर का सफर तय करते है। एक समय था जब बैकुंठपुर शहर में चरचा,सोनहत समेत आसपास ग्रामीण क्षेत्र से भी लोग खरीदी हेतु आते थे लेकिन मंहगे वस्तु के साथ वाहन खड़ी करने की समस्या के कारण लोग दूसरे शहरों में जाना पसंद करते हैं। चौड़ीकरण ना होने का खामियाजा स्थानीय व्यापारियों को ही भुगतना पड़ रहा है।

शनिवार को घटित हुई घटना

सड़क चौड़ीकरण ना होने का नुकसान शनिवार को ही देखने को मिला जब महलपारा चौक स्थित एक फुटवेयर दुकान में बड़ी दुर्घटना टल गई। बतलाया जाता है कि बिलासपुर मार्ग से एक ट्रेलर टैक्टर लोड कर जा रहा था उसी बीच चौक किनारे स्थित फुटवेयर दुकान के ऊपरी हिस्से पर लगे बोर्ड से टकराकर उसे क्षतिग्रस्त कर डाला, पहिये की चपेट में एक स्कुटी भी आ गया था। तत्काल चालक को आवाज देकर रोका गया अन्यथा कोई बड़ी घटना भी घटित हो सकती थी।

पनप रहा आक्रोश...क्या जवाब दे पाएंगे जिम्मेदार

सड़क चौड़ीकरण ना होने से अब स्थानीय नागरिकों में आक्रोष भी पनप रहा है,पूर्व में युवाओं के द्वारा सड़क चौड़ीकरण के लिए अभियान भी चलाया गया था,अभियान को जबरजस्त समर्थन भी मिला था लेकिन उस दौरान तात्कालिक विधायक और तात्कालिक कलेक्टर ने रूचि नही दिखलाई थी जिससे कि चौड़ीकरण हेतु चलाया गया अभियान ठंडे बस्ते में चला गया था अब एक बार फिर आक्रोष देखा जा रहा है, सवाल उठता है कि क्या इसके जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी आमजन को जवाब दे पाएंगे या फिर सड़क चौड़ीकरण एक अबूझ पहेली बनकर रह जाएगी।

कुछ स्वहितैषी बने हैं बाधक

सड़क चौड़ीकरण को लेकर बैकुंठपुर शहर में व्यापारियों के एक गुट का अलग ही राग है, एक ऐसा समूह भी यहां सक्रिय है जो कि सड़क चौड़ीकरण नही होने देना चाहता। बतलाया जाता है कि जब भी चौड़ीकरण की बात आती है चंद लोग प्रषासनिक अधिकारियों एवं नेताओं के सामने जाकर उल जूलूल तर्क देते हैं, इसमें ऐसे व्यापारी शामिल हैं जिन्होने नजूल की भूमि पर दुकान बना रखा है। साथ ही कुछ ऐसे दुकानदार भी शामिल हैं जो नही चाहते कि उनके दुकान का नुकसान हो। स्वहित में चौड़ीकरण रोककर शहर को बर्बाद कर दिया गया है।

आम जनता और व्यापारी भी चाहते हैं चौड़ीकरण जरूरी

बैकुंठपुर शहर में निवास करने वाले स्थानीय नागरिक समेत 90 प्रतिषत व्यापारियों की मांग चौड़ीकरण को लेकर है,इसका नुकसान भी उन्हे दिखलाई दे रहा है। व्यापारी निराष मन से उम्मीद के बीच सड़क चौड़ीकरण का सपना देख रहे हैं, कुछ व्यापारी चौड़ीकरण की आस में अपने दुकानों को व्यवस्थित नही कर पा रहे हैं और वे प्रषासन को कोसते रहते हैं। प्रषासन समेत स्थानीय विधायक को इस बारे में जल्द ठोस कदम उठाया जाना चाहिए।

आधा दर्जन से ज्यादा बार हुआ नापजोख

बैकुंठपुर मुख्य मार्ग सड़क चौड़ीकरण एक अबूझ पहली बन गया है,जब भी कोई चौड़ीकरण की बात करता है तो लोग अब मजाक समझने लगे हैं क्योंकि एक दो बार नही बल्कि आधा दर्जन से अधिक बार चौड़ीकरण हेतु नापजोख किया जा चुका है।

कलेक्टर ने आते ही दिखलाई रूचि

कोरिया जिले में प्रषासनिक अधिकारियों के लिए भी बैकुंठपुर सड़क चौड़ीकरण एक चुनौती बन गया है,पहले भी यहां पदस्थ रह चुके कई कलेक्टरों ने सड़क चौड़ीकरण की दिशा में काम शुरू किया था लेकिन उससे ज्यादा कुछ कर नही सके। अब वर्तमान कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने आते ही सड़क चौड़ीकरण को लेकर तत्परता दिखलाई। उनके निर्देशन में एक बार फिर नाप जोख किया गया,चौड़ीकरण की हद में आने वाले मकान और दुकानों की सूचि भी बनाई गई,मुआवजे का आंकलन कर राज्य सरकार को प्रकरण भी भेजा गया। बतलाया जाता है कि इसके लिए कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूचि लेते हुए प्रयास किया है लेकिन आज दो माह बीत जाने के बाद भी चौड़ीकरण की दिषा में कार्य प्रारंभ नही हुआ।

खरवत चौक से जमगहना तक होना है चौड़ीकरण

बैकुंठपुर शहर में पहले ही एनएच निकला हुआ था,कुछ वर्ष पहले खरवत बाई पास का निर्माण कर दिया गया,जिससे कि अंबिकापुर मनेंद्रगढ मार्ग में चलने वाली भारी वाहनें एवं निजी वाहने भी अब बाईपास से ही आना जाना करते हैं। इसके बाद केन्द्र सरकार ने खरवत चौक से जमगहना तक सड़क के पुनरोद्वार के लिए राशि उपलब्ध कराई थी,जिसके बाद सड़क का पुनरोद्वार किया गया है लेकिन अब आवष्यकता इस सड़क के चौड़ीकरण की है। खरवत चौक से जमगहना जिंदर ढाबा तक चौड़ीकरण की मांग काफी लंबे समय से की जा रही है लेकिन आज तक समाधान नही हो सका है।

सबसे ज्यादा जाम नगरपालिका से लेकर महलपारा चौक तक

सड़क चौड़ीकरण भले ही खरवत से लेकर जमगहना तक कराया जाना है लेकिन सबसे ज्यादा जाम नगरपालिका कार्यालय से लेकर महलपारा चौक तक लग रही है। देखने में मिलता है कि महलपारा चौक के आसपास वाहने भी दुकानदारों द्वारा सड़क के ठीक बगल में खड़ी कर दी जाती है,दुकान का सामान एवं बोर्ड तक सड़क किनारे रखकर गंदी मानसिकता का परिचय दिया जाता है। महलपारा चौक में बिलासपुर मार्ग से चलकर आने वाली बसों और भारी मालवाहकों के कारण दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है।

उज्जवल दीवान के नेतृत्व में आरोपियों को दी गई प्रतीकात्मक फांसी

» सूरजपुर पुलिस परिवार से कोई नहीं हुआ शामिल प्रशासन ने लगाई रोक या फिर उन्हें नहीं था घटना का दुख ?

» उम्मीद थी कि सूरजपुर की हुई घटना में सूरजपुर पुलिस परिवार के सदस्य होंगे शामिल पर नहीं शामिल होना समझ के परे

-समरोज खान-
सूरजपुर,20 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

संयुक्त पुलिस परिवार के संचालक उज्जवल दीवान के नेतृत्व में पुलिसकर्मी की पत्नी व बेटी के हत्यारे पांचो आरोपियों के पुतले को सूरजपुर के पुराना बस स्टैंड में प्रतीकात्मक फांसी दी गई और उनके पुतले को जलाया गया। इस दौरान काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे पर जिन्हें उपस्थित होना था उनका उपस्थित न होना लोगों के लिए निराशाजनक रहा, जिस जिले के पुलिस कर्मचारी की पत्नी व बेटी के साथ इतना अत्याचार हुआ कम से कम उस जिले के पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों को वहां उपस्थित होना था पर उनका उपस्थित न होना लोगों को नागवार गुजरा,लोगों ने कहा कि लगता है कि पुलिसकर्मियों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के परिवार को भी इस घटना का अफसोस नहीं है...या फिर प्रशासन ने पुलिस परिवार के लोगों को भी वहां शामिल होने से रोक दिया?

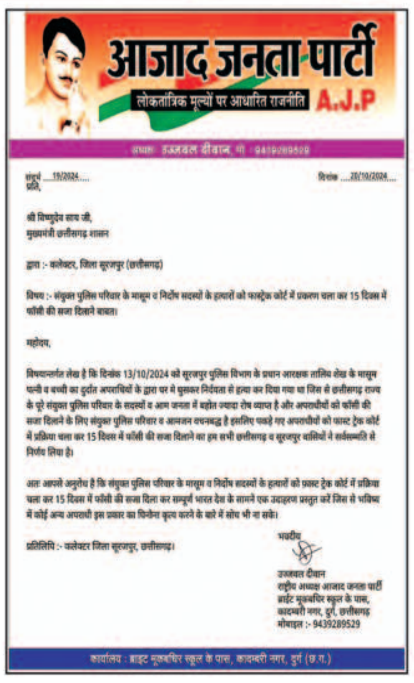

आजाद जनता पार्टी
लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित राजनीति A.J.P
अध्यक्ष: उज्जवल दीवान, मो. - 9439289529

क्रमांक ....19/2024.....
दिनांक ....20/10/2024....
प्रति,

श्री विष्णुदेव साय जी,
मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

द्वारा :- कलेक्टर, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

विषय :- संयुक्त पुलिस परिवार के मासूम व निर्दोष सदस्यों के हत्यारों को फास्ट्रेक कोर्ट में प्रकरण चला कर 15 दिवस में फांसी की सजा दिलाने बाबत।

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि दिनांक 13/10/2024 को सूरजपुर पुलिस विभाग के प्रधान आरक्षक तालिब शेख के मासूम पत्नी व बच्ची का दुर्दांत अपराधियों के द्वारा घर मे घुसकर निर्दयता से हत्या कर दिया गया था जिस से छत्तीसगढ़ राज्य के पूरे संयुक्त पुलिस परिवार के सदस्यों व आम जनता में बहोत ज्यादा रोष व्याप्त है और अपराधीयों को फांसी की सजा दिलाने के लिए संयुक्त पुलिस परिवार व आमजन वचनबद्ध है इसलिए पकड़े गए अपराधीयों को फास्ट ट्रेक कोर्ट में प्रक्रिया चला कर 15 दिवस में फांसी की सजा दिलाने का हम सभी छत्तीसगढ़ व सूरजपुर वासियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि संयुक्त पुलिस परिवार के मासूम व निर्दोष सदस्यों के हत्यारों को फ्रास्ट ट्रेक कोर्ट में प्रक्रिया चला कर 15 दिवस में फांसी की सजा दिला कर सम्पूर्ण भारत देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत करें जिस से भविष्य में कोई अन्य अपराधी इस प्रकार का घिनौना कृत्य करने के बारे में सोच भी ना सके।

प्रतिलिपि :- कलेक्टर जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़।

भवदीय
उज्जवल दीवान
राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद जनता पार्टी
ब्राइट मूकबधिर स्कूल के पास,
कादम्बरी नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़
मोबाइल :- 9439289529

कार्यालय : ब्राइट मूकबधिर स्कूल के पास, कादम्बरी नगर, दुर्ग (छ.ग.)

सूरजपुर में बीते दिनों घटित हुई दोहरा हत्याकांड जिसमें पुलिस कर्मचारी की पत्नी व बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी,उसके विरोध में सूरजपुर पुराना बस स्टेंड में आजाद जनता पार्टी के जनक उज्वल दीवान के नेतृत्व में हत्यारों को फांसी देने की मांग रखी गई। पुलिसकर्मी के निर्दोष पत्नी व उसकी बेटी के सभी हत्यारों को फासी दिए जाने की मांग को लेकर नगर के पुराने बस स्टैंड में कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें पुलिस परिवार के कुछ सदस्यों सहित समाज के अन्य लोग और कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग किया की जिला प्रशासन हमें आदेश दे इनका घर बुलडोजर से तोड़ा जाए और अवैध अतिक्रमण हटाया जाए, और उस स्थान पर मृतकों के नाम से पार्क बनाया जाएगा। जिसके लिए सूरजपुर नगरपालिका अध्यक्ष ने अपने निधि से 10 लाख देने की घोषणा की। जिला प्रशासन तत्काल नगर पालिका को अनुमति दे तो हम यह काम करके दिखा देंगे यह भी नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा।

पुलिस प्रताड़ना की वजह से नौकरी छोड़ दी और अब पुलिस परिवार के लिए खड़ा हूं ...

मैं पूर्व उज्व्वल दीवान पुलिस विभाग में पदस्थ था। प्रताड़ना की वजह से नौकरी छोड़ दी क्योंकि अन्याय नहीं सह पा रहा था। उन्होंने पर पड़ताड़ी से अपनी नौकरी छोड़ दी उन्होंने अन्याय नहीं सह और लोगों में यह संदेश भी दिया की उज्व्वल दीवान ने लगातार पुलिस विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के परिवार के लिए मैं हमेशा खड़ा हूं। पांचो आरोपियों को फांसी होनी चहिए उसके लिए उच्च न्यायालय से और माननीय मुख्यमंत्री जी से और गृह मंत्री जी से निवेदन करता हूं की फास्ट्रेक कोर्ट में 15 दिवस के अंदर कार्रवाई करा कर पूरे देश में एक संदेश दें कि ऐसे हत्यारों को जीने का कोई अधिकार नहीं है। हमारे संयुक्त पुलिस परिवार के कुछ मताएं आई है आज जनता और पुलिस एक मंच पर खड़ी है आज मैं सूरजपुर बार एसोसिएशन और वकील बंधु से और पूरे छत्तीसगढ़ से निवेदन करना चाहूंगा कि ऐसे हत्यारों का केस कोई ना लड़े, इन हत्यारा को 15 दिवस के अंदर फासी तय होनी चाहिए, जिस दिन इनका पुलिस रिमांड खत्म होगा उस दिन के बाद से इन्हें सूरजपुर जेल में नहीं रखना है। इन आरोपियों को छत्तीसगढ़ के आखिरी कोने सुकमा बीजापुर,जगदलपुर के जेल में रहना चाहिए, उन्होंने कहा कि अगर यह आरोपी सूरजपुर जेल में रहेंगे तो और कुछ भी घटना घट सकती है, उनको बचाने के लिए लोग प्रयास कर सकते है, ऐसे लगों को सूरजपुर से दूर जेल में रखना होगा तभी इन्हें पता चलेगा की ऐसे कृत का क्या अंजाम होता है। हमारी प्यारी सी गुड़िया और वही हमारी माता जिनका कोई कसूर नहीं था जिनका इन्होंने निर्मम हत्या कर दिया, आज इनके साथ जो हुआ है कल किसी के भी साथ हो सकता है, ये हत्यारे नहीं राक्षस है, यह हमारे देश को और समाज को गड्ढे में ले जाने के लिए पैदा हुए थे, अब वह समय आ गया है माननीय न्यायालय के लिए ओर राज्य शासन के लिए त्वरित कार्रवाई करके इन्हें फांसी के फंदे में 15 दिवस के अंदर लटकाया जाए। शासन जब करवाई करेगी तब करेगी लेकिन आज हम प्रतीकात्मक रूप में इनके पुतलों को लटकाएंगे फांसी के फंदे पर और जलाएंगे भी। मैं अपने पुलिस प्रशासन से भी निवेदन करुंगा लिखा पढ़ी इतनी मजबूत करें ताकि इन्हें बचाने का एक भी मौका ना मिले।

भाजपा सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ

-संवाददाता-
कोरबा,20 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

नगर विधायक और छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन को शनिवार को भाजपा का सक्रिय सदस्य बनाया गया। वे कोरबा जिले के पहले सक्रिय सदस्य बने। भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला कोषाध्यक्ष और सदस्यता अभियान के जिला संयोजक गोपाल मोदी ने टीपी नगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में मंत्री श्री देवांगन को सक्रिय सदस्यता दिलाई। गौरतलब है कि कोरबा जिले में सदस्यता अभियान तेजी से चल रहा है, कोरबा विधानसभा में अब तक 56 हज़ार से अधिक ऑनलाइन भाजपा के सदस्य बन चुके हैं। ऑफलाइन सदस्यता की एंट्री का काम जोरों से चल रहा है। इसी तरह जिले में डेढ़ लाख सदस्य ऑनलाइन बन चुके हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन के रेफरल कोड से अब तक जिले में सबसे अधिक साढ़े 13 हजार से अधिक सदस्य बन चुके हैं।

जिला का पहला सक्रिय सदस्य बनने के बाद मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मैं भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं। पार्टी का एक एक कार्यकर्ता मेरा परिवार है। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट प्रथम की भावना से विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत अपनी सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण करवा कर प्रसन्नता की अनुभूति हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान के साथ जुड़कर एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को और मजबूत करें। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा, पवन सिन्हा, कोरबा मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, चंदन सिंह, दिनेश वैष्णव, , अजय चंद्रा, समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय अग्रवाल आ0 सीताराम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी खरसिया नाका अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम कांतिप्रकाशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 124/1 रकबा 0.267 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा,सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस नयायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 30/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

जिला बदर के आरोपी की अगुवाई में दुर्गा उत्सव कार्यक्रम कैसे मनाया जा रहा था?

- जिला बदर का आरोपी व पुलिसकर्मी की पत्नी व बेटी की हत्या के आरोपी मां जगदम्बे दरबार के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष थे
- जिला बदर के आरोपी को सरहद से जहां दूर होना था वह अपने ही क्षेत्र में दुर्गा पुजा व दशहरा मना रहा था।
- जिला बदर का आरोपी जो जिले में घूम रहा था क्या इस मामले में भी उसके ऊपर एक और अपराध पंजीबद्ध होगा?

आरोपी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस हुई तेज

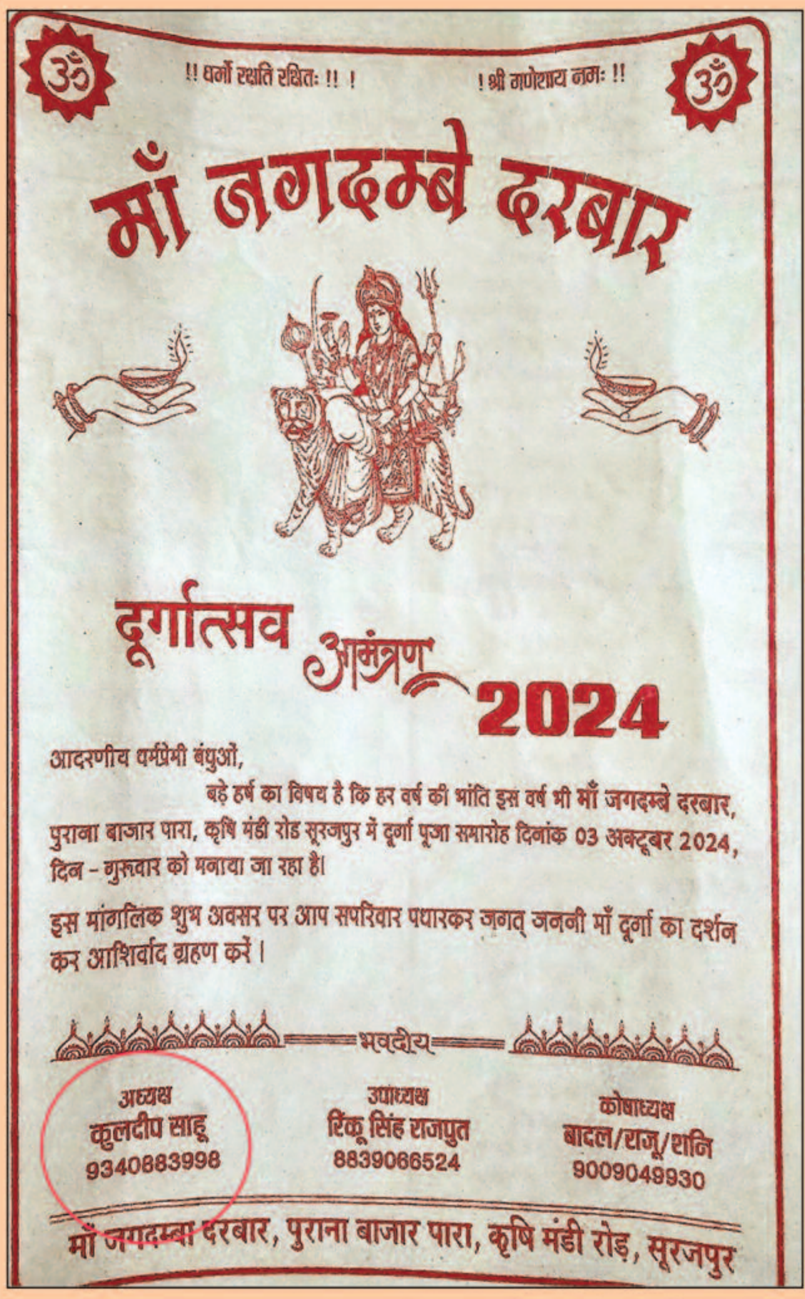

!! धर्मो रक्षति रक्षितः !! !

! श्री गणेशाय नमः !!

माँ जगदम्बे दरबार

दूर्गात्सव आमंत्रण 2024

आदरणीय धर्मप्रेमी बंधुओं,

बड़े हर्ष का विषय है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ जगदम्बे दरबार, पुराना बाजार पारा, कृषि मंडी रोड सूरजपुर में दुर्गा पूजा समारोह दिनांक 03 अक्टूबर 2024, दिन - गुरूवार को मनाया जा रहा है।

इस मांगलिक शुभ अवसर पर आप सपरिवार पधारकर जगत् जननी माँ दुर्गा का दर्शन कर आशिर्वाद ग्रहण करें।

भवदीय

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष
कुलदीप साहू	रिंकू सिंह राजपुत	बादल/राजू/शनि
9340883998	8839066524	9009049930

माँ जगदम्बा दरबार, पुराना बाजार पारा, कृषि मंडी रोड, सूरजपुर

-समरोज खान-

सूरजपुर,20 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय सूरजपुर के लिए 13 अक्टूबर की रात काफी भारी रात मानी जायेगी,यह रात हर तरीके से खौफनाक थी, इस दिन जहां देवी प्रतिमा का विसर्जन हो रहा था उसी समय शहर में तांडव भी हो रहा था,वह भी यह तांडव कोई और नहीं जिला बदर का आरोपी कर रहा था,शायद यह रात कभी ना भूलने वाली रात कही जा सकती है,जिसे जिले से ही नहीं जिले के आसपास लगने वाली सरहदी जिले से भी बाहर होना था वह जिला बदर का आरोपी शहर में दुर्गा पूजा व दशहरा मना रहा था, आरोपी बाकायदा इस दुर्गा पूजा में मां जगदंबे दरबार का अध्यक्ष था वही उसका दोस्त आरोपी उपाध्यक्ष। बाकायदा आमंत्रण कार्ड भी छपा था जिसमें इन नामों का उल्लेख था। विधायक कलेक्टर एसपी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे,अब इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आरोपी कुलदीप साहू कितना रसूखदार व्यक्ति था? जो अपनी पावर का इस्तेमाल करके जिला बदर के नियम का उलांघन करते हुए शहर में 13 अक्टूबर 2024 की रात को कहर रहा था, और यह करने की हिम्मत उसे कहां से मिली और किसने संरक्षण दिया? यह अब चर्चा का विषय बना हुआ है जिस समय उसका दहशत थी उस समय लोग उसके सामने आने से भी डरा करते थे और आज लोग उसका विरोध कर रहे हैं पर यही विरोध पहले किए होते तो शहर में इतना बड़ा गुंडा नहीं जन्म ले पाता न ही दो महिलाओं की बेरहमी से हत्या हो पाती,जब तक वह जेल में हैं तब तक की लोग खुल के बोल पाएगे या फिर विरोध तब तक करेगे जब तक उसके कारोबार का अंत न हो जाए और आरोपी को सजा ना मिल जाए। वर्तमान घटना की जानकारी अनुसार 13 अक्टूबर की रात को सूरजपुर कोतवाली के नजदीक पुराना बस स्टैंड में स्थित चौपाटी में निगरानी बदमाश एवं जिला बदर कुलदीप साहू ने अपने साथियों के साथ पुलिस आरक्षक घनश्याम साहू पर कढ़ाई का खौलता तेल उड़ेल कर जानलेवा हमला किया था। उसके बाद अपने पिता समेत अन्य सहयोगियों के साथ उसने स्विफ्ट डिजायर कार से कोतवाली के समीप प्रधान आरक्षक तालिब शेख एवं उदय सिंह को कुचलने की कोशिश कर जानलेवा हमला किया था। उसी रात कुलदीप साहू ने प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और पुत्री की चाकू से गोद गोद कर नृशंस हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। उसके बाद फरार हो रहे उक्त घटनाओं के मास्टरमाइंड मुख्य आरोपित कुलदीप साहू ने उसे रोकने की कोशिश कर रहे विश्रामपुर टीआई अलरिक लकड़ा व पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। इसके जवाब में टीआई ने भी बचाव में उस पर फायरिंग की थी, लेकिन वह भागने में सफल हो गया था। जिलाबदर होने के बावजूद नगर में बेख़ौफ़ घूम रहे आरोपित कुलदीप साहू ने अपने एक साथी के साथ 29 जून की रात साढ़े दस बजे एक बर्थडे पार्टी में शामिल होकर अपने दोस्त के साथ उसकी कार से पुराना बाजारपारा लौट रहे रुपेश को रोक कर पैसों की मांग करते हुए गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के बाद मारपीट की थी। उसके विरुद्ध कोतवाली में 27 अपराध दर्ज हैं। उसके बावजूद कोतवाली पुलिस द्वारा उसकी गिरफ्तारी नहीं किए जाने से उसे पुलिसिया संरक्षण प्राप्त होने का आरोप लगना स्वाभाविक है।

यूपी के बहराइच में एनकाउंटर हो सकता है तो छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के मामले में क्यों नहीं?

उत्तर प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है और छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार है पर उत्तर प्रदेश के कई घटनाओं में एनकाउंटर की बात आई है अभी फिलहाल में ही बहराइच में एक एनकाउंटर हुआ पर वही छत्तीसगढ़ में जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो एनकाउंटर से सरकार क्यों थर्रा जाती है या फिर पैसे लेकर आरोपियों को सह देती है? भले ही सूरजपुर की घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बंद कमरे में पुलिस अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उनका बैठक में प्रश्न था की आरोपी जब एक दिन पहले थाने में आकर धमका गया था तो पुलिस एक्शन क्यों नहीं ली? अपराधियों के खिलाफ पुलिस सख्ती क्यों नहीं बरत रही? सीएम का गुस्सा अपनी जगह सही था। वैसे गुस्से में आम जनता भी है और प्रदेश के 80 हजार पुलिस परिवार भी। फिर भी पुलिस ने बलरामपुर बस स्टैंड से नाटकीय ढंग से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया, क्या उससे पुलिस परिवारों का खून खौला? आरोपी हाफ पैंट में टसन के साथ चल रहा था और पुलिस उसके साथ फोटो खिंचवा अपने आपको बहादुर साबित कर रही थी? क्या पुलिस अधिकारियों के मानसिक दिवालियापन की पराकाष्ठा पार नही हुई? जब हाफ पेंट में ही आरोपी को प्रेस के सामने पेश कर दिया ऐसा लग रहा था कि आरोपी कहीं से घूम कर आ रहा हो। जिस समय पुलिस बलरामपुर में अपराधी के साथ फोटो सेशन करवा रही थी,उसी दौरान टीवी पर यूपी के बहराइच कांड के जख्मी आरोपी का वीडियो चल रहा था, जिसमें वह कराह रहा था और कहा साहब अब गल्ती हो गई, अब कभी ऐसा नहीं होगा। एनकाउंटर के दौरान में दोनों के पैर में गोली लगी थी। क्या उस घटना को छ्त्तीसगढ़ पुलिस नहीं देखी थी? और छत्तीसगढ़ की पुलिस को बताते हैं की मुख्य आरोपी को बचाने उसके पुलिसिया परजीव एक्टिव हो गए है। सूत्रों का दावा है कि योजनाबद्ध ढंग से उसे गढ़वा से बुलाया गया, यह गारंटी देकर कि कुछ नहीं होगा, आ जाओ। फिर कहानी पूरी पलट दी गई,गढ़वा से अंबिकापुर आ रहा था यही कहानी वायरल होगी। तभी पुलिस की सूचना मिली और उसे बलरामपुर बस स्टैंड में दबोच लिया गया। पता नहीं,छत्तीसगढ़ पुलिस व सरकार में पानी बचा है या नहीं? हेड कांस्टेबल के घर में घुसकर पत्नी और बेटी की हत्या हो जाती है, उसके बाद भी खून गरम नहीं होता? मुख्य आरोपी के अहसान से दबे सूरजपुर पुलिस का एक धड़ा उसे बचाने में जुट गया है? जाहिर है।

ऐसे मामलों में जाति धर्म समुदाय से ऊपर उठकर मानवता के दोषियों का बहिष्कार करना चाहिए

सुरजपुर दोहरे हत्याकांड और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी से पहले और उसके बाद की जो तस्वीर सामने आई और जिस तरह का मानव समाज का चेहरा सामने आया उसके बाद यह एक प्रश्न खड़ा हो गया कि क्या अब जघन्य अपराधों महिलाओं के प्रति होने वाले घृणित अपराधों को लेकर समाज केवल उग्र प्रदर्शन तक सीमित रहेगा और वह भी एक दो दिन का आंदोलन प्रदर्शन जहां संपत्तियों का ही नुकसान करता मानव समाज दिख जाएगा, दंगे या खुद भी वह आतंक के माध्यम से ही वह विरोध दर्ज करेगा, समाज ऐसे अपराधों और अपराधियों के लिए न तो चिंतन करेगा जिससे भविष्य में ऐसी कोई घटना घटती न हो वहीं वह ऐसे उदाहरण भी प्रस्तुत उन अपराधों अपराधियों के लिए प्रस्तुत नहीं करेगा जो अपराध घटित हो चुके हैं जिनके अपराधी आरोपी जाहिर हो चुके हैं। समाज को ऐसे मामलों में कोई बड़ा निर्णय जहां लेना चाहिए जाति धर्म समुदाय से ऊपर उठकर ऐसे मामले में मानवता का दोषी मानकर ऐसे आरोपियों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए उन्हे सहयोग मदद करने वालों को भी बहिष्कृत करना चाहिए जिससे समाज का दबाव अपराधों में एक लगाम का काम कर सके। समाज का ऐसा कोई बहिष्कार या कोई एक राय होकर लिया गया निर्णय भी ऐसे अपराधों पर भविष्य में अंकुश लगा सकता है और पुनः ऐसी कोई पुनरावृति रोक सकता है लेकिन ऐसा होगा यह अभी तो नजर नहीं आता न ही समाज इस हेतु कोई विचार ही करता नजर आ रहा है। वैसे अब केवल दंड का कोई कठोर विधान जहां ऐसे अपराध की पुनरावृति रोक सकता है वहीं समाज से बहिष्कृत करने का कोई उदाहरण भी आरोपियों को या ऐसे अपराध से प्रेरित होने वालों के लिए एक रुकावट उत्पन्न करने का कारण हो सकता है।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
कोरिया-सूरजपुर -समाचार
अम्बिकापुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024
5

मैं भी कुलदीप से कम नहीं कहीं ऐसी कोई पिक्चर न हो जाए रिलीज...

इसलिए अब हत्यारों को कड़ी सज़ा मिले पुलिस को करना होगा प्रयास

जिस मंच में एसपी कलेक्टर मौजूद रहे उसी स्थल के आस-पास कुख्यात आरोपी घूमता रहा...

सूत्र बताते है की जिला बदर होने के बाद भी कुख्यात बदमाश कुलदीप साहू प्रशासनिक सहभागिता से सूरजपुर की एक समिति द्वारा जिला मुख्यालय के स्टेडियम में आयोजित दशहरा आयोजन में मां जगदंबा दरबार दुर्गा पूजा समिति पुराना बाजार पारा के अध्यक्ष होने के नाते आमंत्रित किया गया था और वह वहा पर मौजूद था। रावण दहन के इस कार्यक्रम में मंच पर क्षेत्रीय विधायक समेत कलेक्टर एसपी एवं तमाम आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इतना ही नहीं कोतवाली से एक फर्लांग दूरी पर बाजार पारा सूरजपुर में समिति अध्यक्ष कुलदीप साहू की अगुवाई में नौ दिनों तक दुर्गा उत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। उसके बावजूद कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार करना उचित नहीं समझा और उसने दोहरे हत्याकांड समेत तीन अलग-अलग स्थान पर पुलिस पर जानलेवा हमला करने की वारदात को बेखौफ अंजाम दिया,अरोपियो मंच पर था या नहीं इसकी पुष्टि दैनिक घटती-घटना नहीं करता।

युवाओं को ऐसे अपराध और आरोपी प्रेरित करने का करने का करते हैं काम,यदि बेहतर उदाहरण हो जाए प्रस्तुत, युवाओं के लिए होगा एक संदेश

ऐस अपराध और ऐसे आरोपी युवाओं को प्रेरित करने का काम करते हैं यह कहें तो ऐसे अपराधों से युवा प्रेरणा भी ले सकते हैं ऐसा कहना गलत नहीं होगा। ऐसे मामलो में दंड का कठोर विधान और समाज का कोई ऐसा निर्णय जो आरोपियों सहित उनके अपराध को लेकर उनके बहिष्कार का हो वह एक संदेश बनने का काम कर सकता है। युवाओं के लिए कोई अपराध प्रेरणा न बने बल्कि युवाओं को उस अपराध के परिणाम से भय का आभास हो यह अब समाज को भी कानून के साथ साथ ध्यान देना होगा।।वैसे कहीं कल कोई युवा खुद को कुलदीप साहू का साथी मित्र या भाई छोटा बताकर न अपराध करने लगे यह भी ध्यान देना होगा सभी को मिलकर।

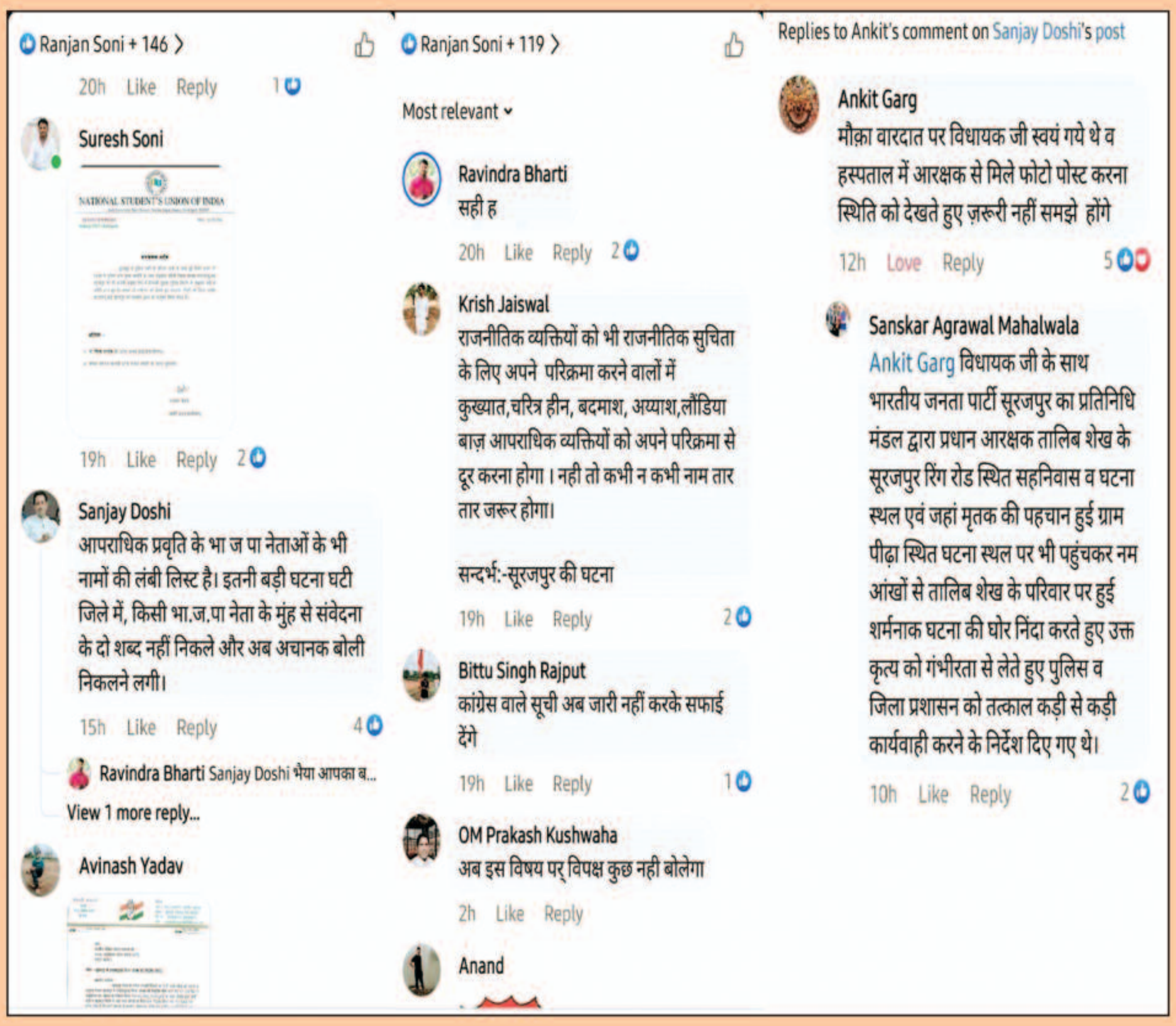

Ranjan Soni + 146 >
20h Like Reply 1

Suresh Soni
19h Like Reply 2

Sanjay Doshi
आपराधिक प्रवृति के भा ज पा नेताओं के भी नामों की लंबी लिस्ट है। इतनी बड़ी घटना घटी जिले में, किसी भा.ज.पा नेता के मुंह से संवेदना के दो शब्द नहीं निकले और अब अचानक बोली निकलने लगी।
15h Like Reply 4

Ravindra Bharti Sanjay Doshi भैया आपका ब...
View 1 more reply...

Avinash Yadav

Ranjan Soni + 119 >
Most relevant

Ravindra Bharti
सही ह
20h Like Reply 2

Krish Jaiswal
राजनीतिक व्यक्तियों को भी राजनीतिक सुचिता के लिए अपने परिक्रमा करने वालों में कुख्यात,चरित्र हीन, बदमाश, अय्याश,लौंडिया बाज़ आपराधिक व्यक्तियों को अपने परिक्रमा से दूर करना होगा। नही तो कभी न कभी नाम तार तार जरूर होगा।

सन्दर्भ:-सूरजपुर की घटना
19h Like Reply 2

Bittu Singh Rajput
कांग्रेस वाले सूची अब जारी नहीं करके सफाई देंगे
19h Like Reply 1

OM Prakash Kushwaha
अब इस विषय पर् विपक्ष कुछ नही बोलेगा
2h Like Reply

Anand

Replies to Ankit's comment on Sanjay Doshi's post

Ankit Garg
मौक़ा वारदात पर विधायक जी स्वयं गये थे व हस्पताल में आरक्षक से मिले फोटो पोस्ट करना स्थिति को देखते हुए ज़रूरी नहीं समझे होंगे
12h Love Reply 5

Sanskar Agrawal Mahalwala
Ankit Garg विधायक जी के साथ भारतीय जनता पार्टी सूरजपुर का प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रधान आरक्षक तालिब शेख के सूरजपुर रिंग रोड स्थित सहनिवास व घटना स्थल एवं जहां मृतक की पहचान हुई ग्राम पीढ़ा स्थित घटना स्थल पर भी पहुंचकर नम आंखों से तालिब शेख के परिवार पर हुई शर्मनाक घटना की घोर निंदा करते हुए उक्त कृत्य को गंभीरता से लेते हुए पुलिस व जिला प्रशासन को तत्काल कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे।
10h Like Reply 2

पुलिस के कार्यशैली से संतुष्ट क्यों नहीं?

शहर के लोगो का मानना है जिलाबदर होने के साथ ही उगाही करने के लिए मारपीट करने के फरार आरोपी को नगर में रहते हुए भी गिरफ्तार नहीं करना कानून को ठेंगा दिखाना कहा जा सकता है तथा जिलाबदर किए गए निगरानी बदमाश कुलदीप साहू के दशहरा कार्यक्रम में मंच साझा करने से पुलिसिया संरक्षण से इंकार नहीं किया जा सकता। यदि उसे कोतवाली पुलिस गिरफ्तार कर ली होती तो उक्त गंभीर घटनाएं घटित ही नहीं होती। उसका कबाड़ कारोबार पुलिसिया संरक्षण में ही संचालित हो रहा था। पूरे मामले में पुलिस की भूमिका संदेह के दायरे में है। हम पुलिस की कार्यशैली से संतुष्ट नहीं है। दोहरे हत्याकांड की न्यायिक जांच के लिए हाईकोर्ट की शरण लेना ही ज्याद सही होगा। जिलाबदर होने के बाद भी उसके नगर में बेखौफ घूमने और उसकी गिरफ्तारी नहीं किए जाने के कारणों की उच्च स्तरीय जांच कर कर उसे संरक्षण देने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए

प्वाइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली,20 अक्टूबर 2024 । आईसीसी मेंस टी 20 इमर्जिंग एशिया कप बहुत ही शानदार अंदाज में खेला जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के दो ग्रूप में बांटा गया है। भारतीय-ए टीम ग्रूप-बी में मौजूद है। इस ग्रूप में भारत के अलावा पाकिस्तान शाहीन, ओमान और यूएई की टीमें मौजूद हैं। दूसरे ग्रूप में बांग्लादेश-ए, अफगानिस्तान-ए, श्रीलंका-ए और हांग कांग की टीमें मौजूद हैं। सभी टीमों ने टूर्नामेंट में अपना एक-एक मैच खेल लिया है।

दूसरे नंबर पर मौजूद है भारतीय टीम

तिलक वर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने अपना एक मैच खेल लिया है और पहले ही मुकाबले में पाकिस्तानी टीम को 7 रनों से हरा दिया है। इस जीत से टीम इंडिया को दो अंक मिले और वह इस समय ग्रूप-बी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर मौजूद है। टीम का नेट रन रेट

प्लस 0.350 है। इस ग्रूप में पहले नंबर पर मौजूद यूएई की टीम ने अपने पहले मुकाबले में ओमान को हराया था, जिससे उसके दो अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में वह टीम इंडिया से ऊपर है। उसका नेट रन रेट 0.378 है। पाकिस्तान और ओमान को पहले शुरुआती मुकाबले हारने पड़े हैं। इसी वजह से पाकिस्तान तीसरे और ओमान चौथे नंबर पर काबिज है।

ग्रूप-बी में टॉप पर है बांग्लादेश की टीम

वहीं ग्रूप-ए में बांग्लादेश-ए और अफगानिस्तान-ए ने एक-एक मैच जीता है और दोनों के ही दो-दो अंक हैं। लेकिन बांग्लादेश का नेट रन रेट अफगानिस्तान से ज्यादा है। इसी वजह से वह प्वाइंट्स टेबल में पहले पायदान पर मौजूद है। बांग्लादेश की टीम का नेट रन रेट 0.736 है। जबकि अफगानिस्तान का नेट रन रेट 0.550 है और वह दूसरे नंबर पर है। श्रीलंका तीसरे और हांग कांग चौथे नंबर पर है।

भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए 183 रन बनाए थे। टीम के लिए तिलक वर्मा ने दमदार बैटिंग करते हुए 44 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तानी टीम 20 ओवर में सिर्फ 176 रन बना पाई। भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खेल की खबरें

सचिन ने आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर कुक,डेविड,एबी डिविलियर्स को दी बधाई

नई दिल्ली,20 अक्टूबर 2024 । एलेस्टेयर कुक, नीतू डेविड और एबी डिविलियर्स को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। यह तीनों हॉल ऑफ फेम के 113वें, 114वें और 115वें सदस्य हैं। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीनों खिलाड़ियों के योगदान की सराहना की है।

वह दिन नदीम का था, पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

लखनऊ,20 अक्टूबर 2024 । पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था जो उन्हें पछाड़कर चैम्पियन बने। चोपड़ा ने आठ अगस्त को हुए फाइनल में 89 . 45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता लेकिन नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए पहले ही प्रयास में 92 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बने।

पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से ट्रेविस हेड ने खुद को किया बाहर

एडिलेड,20 अक्टूबर 2024 । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले परिवार के साथ समय बिताने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेलेंगे।

पिछले साल के वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने के बाद से ट्रेविस हेड का शेड्यूल काफी व्यस्त रहा है, उन्होंने कई टूर्नामेंट लगातार खेले हैं और लगभग हर दौरे पर टीम के साथ रहे। लेकिन अब वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं, इसलिए वह एक छोटे ब्रेक पर जाएंगे।

हेड दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, इसलिए वह कुछ समय अपनी पत्नी और परिवार के साथ बिताना चाहते हैं। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने हेड के हवाले से कहा, भविष्य में मैं शायद अपने परिवार को ध्यान में रखकर निर्णय लूंगा और जो चीज मुझे खेलने के लिए प्रेरित करती है, वह शायद मेरा परिवार और मेरे साथी हैं। मुझे व्यक्तिगत चीजों या अपने करियर के बारे में सोचने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार को खुश रखना चाहता हूं, मैं अपने साथियों के साथ खेलना चाहता हूं और मैं जो कर रहा हूं उसका आनंद लेना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पिछले कुछ वर्षों में यह बहुत अच्छा किया है। मुझे अभी भी क्रिकेट खेलना पसंद है, मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है। लेकिन... मुझे लगता है कि परिवार भी महत्वपूर्ण है। । सामना करना पड़ता है।

हांगकांग में एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

हांगकांग,20 अक्टूबर 2024 । रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे।शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते।

भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते।

पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं।एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे।

गुरुग्राम पैट्रियट्स ने नोएडा ईगल्स पर जीत दर्ज की

नई दिल्ली,20 अक्टूबर 2024 । प्रो क्रिकेट लीग के गेम 2 की शुरुआत धमाकेदार रही, क्योंकि गुरुग्राम पैट्रियट्स ने नोएडा ईगल्स के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी का दबदबा दिखाया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने के बाद ईगल्स को एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा, क्योंकि पैट्रियट्स ने पावरप्ले में 76 रन बनाए और सिर्फ एक विकेट खोया। शरद लुंबा मैच के स्टार रहे, जिन्होंने टूर्नामेंट का पहला शतक जड़ते हुए सिर्फ 46 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 121 रन बनाए। उनकी धमाकेदार पारी ने गति तय की और 15 वें ओवर में वे आउट हो गए, जिससे पैट्रियट्स मजबूत स्थिति में आ गए। मनप्रीत सिंह गोनी ने 13 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाकर महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया, जबकि बिपुल शर्मा ने 11 गेंदों पर 34 रन जोड़े। पैट्रियट्स ने 20 ओवर में 275/5 का विशाल स्कोर बनाकर अपनी पारी समाप्त की। जवाब में,

ईगल्स ने अच्छी शुरुआत की, चौथे ओवर तक बिना किसी नुकसान के 38 रन बना लिए। हालांकि, वे जल्द ही लड़खड़ा गए, उसी ओवर में दो विकेट खो दिए और 4 विकेट खोकर पावरप्ले समाप्त कर दिया। बिपुल शर्मा ने अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए अपने 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट लिए। ईगल्स को कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंचा पाया और अंततः 122 रन से हार गए। शरद लुंबा को उनके शानदार शतक के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

0:59:40
PROCAM
vedanta

जोशुआ चेप्टेगी ने चमक बिखेरी

एलेमडिस इयायु ने दिल्ली हाफ मैराथन में चौंकाया

नई दिल्ली,20 अक्टूबर 2024 । ओलंपियन जोशुआ चेप्टेगी ने पुरुषों की दौड़ में जीत हासिल की, जबकि एलेमडिस इयायु ने भारतीय राजधानी में आयोजित विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन में महिलाओं का खिताब जीतने के लिए प्री-रेस पसंदीदा सिंथिया लिमो को चौंका दिया।

न्यूजीलैंड टीम की तीन दादी महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने की कोशिश में जुटी

दुबई,20 अक्टूबर 2024 । जब न्यूजीलैंड दुबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल के लिए मैदान में उतरेगा, तो सुजी बेट्स, सोफी डिवाइन और ली ताहुहू, जिन्हें प्यार से टीम की दादी कहा जाता है, अपना पहला खिताब जीतने और अपने टी20 करियर के शिखर पर पहुंचने का लक्ष्य रखेंगी। रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में एक नया चैंपियन उभरेगा, जब दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड फाइनल में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में लचीलापन, कौशल और दृढ़ संकल्प दिखाते हुए उम्मीदों को पार कर लिया है। बेट्स, डिवाइन और ताहुहू ने सामूहिक रूप से 402 महिला टी20 मैच खेले हैं।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज पर न्यूजीलैंड की शानदार जीत के कुछ ही पल बाद, एक दिल को छू लेने वाला पल आया, जब न्यूजीलैंड की तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों ने गले मिलकर कैमरे के सामने पोज दिए।

बाहुबली 3 के लिए फिर साथ आएंगे प्रभास और एसएस राजामौली,निर्माता का खुलासा

साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले प्रभास की फिल्म बाहुबली- द बिगिनिंग को 10 जुलाई, 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता के बाद 2017 में इस फिल्म की सीक्वल बाहुबली 2- द कन्क्लूजन आया और इसे भी दर्शकों का खूब प्यार मिला। इन दोनों फिल्मों का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था।अब खबर आ रही है कि बाहुबली की तीसरी कड़ी बाहुबली 3 पर जल्द काम शुरू होने वाला है।बाहुबली 3 के लिए प्रभास एक बार फिर राजामौली के साथ हाथ मिलाने वाले हैं।इस बात का खुलासा जाने-माने फिल्म निर्माता केई ज्ञानवेल राजा ने किया है, जो इस वक्त सूर्या, दिशा पाटनी और बॉबी देओल जैसे सितारों से सजी फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं।हाल ही में एक साक्षात्कार में ज्ञानवेल ने बाहुबली 3 पर मुहर लगाई। इसके साथ उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की कहानी पर काम जल्द शुरू हो जाएगा।ज्ञानवेल ने कहा, फिल्म बाहुबली 3 बन रही है। पिछले हफ्ते मैंने फिल्म के निर्माताओं के साथ बातचीत की है। उन्होंने बाहुबली और बाहुबली 2 को एक के बाद एक बनाया, लेकिन अब निर्माता कुछ अंतराल के बाद बाहुबली 3 की योजना बना रहे हैं।बता दें कि बाहुबली ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 118.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं बाहुबली 2 510.99 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

अमिताभ बच्चन के पक्के दोस्त थे राजीव गांधी

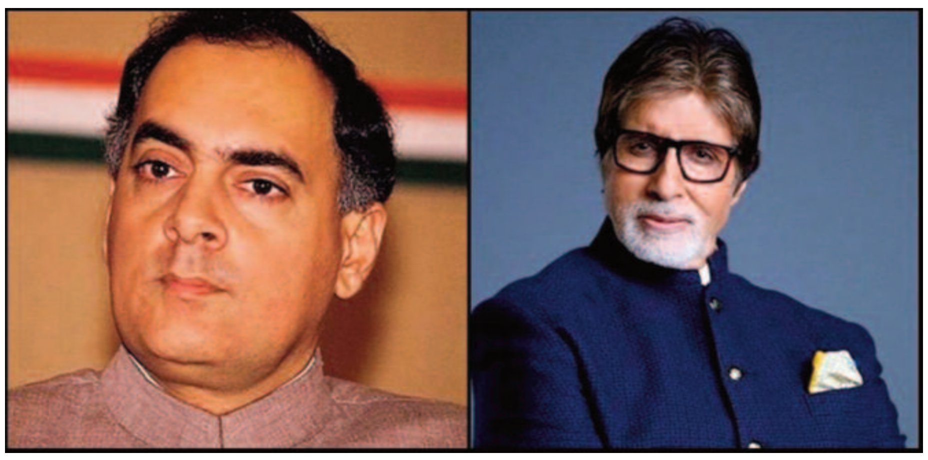

4 साल की उम्र में पंडित नेहरू के पोते संग खेलते-कूदते थे बिग बी

मिताभ बच्चन की फैन फॉलोइंग दुनियाभर में फैली हुई है लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ भी दोस्तों से घिरी है। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में अपने बड़े करियर और बातचीत के बावजूद, उन्होंने एक बार खुलासा किया था कि उनके केवल कुछ ही दोस्त हैं। रेडिफ के लिए पत्रकार वीर सांघवी के साथ एक इंटरव्यू में जब अमिताभ बच्चन से पूछा गया कि क्या उनके कई सारे दोस्त हैं, तो उन्होंने कहा कि नहीं जब सांघवी ने पूछा कि क्या उनके दोस्तों को हाथ की उंगलियों पर गिना जा सकता है, तो अमिताभ बच्चन ने कहा, हां बिल्कुल, यह भयानक लगता है लेकिन नहीं मेरे बहुत सारे दोस्त नहीं हैं। उन्होंने ये भी बताया कि क्या ये लोगों में विश्वास की कमी के कारण है, तो अमिताभ बच्चन ने बताया, इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं देखता हूं कि मिलने-जुलने का प्रोसेस क्या है। एक-दूसरे के करीब आने का क्या प्रोसेस है, मैं बस हर जगह अपनी जगह नहीं बना पाता।

अमिताभ बच्चन के क्यों हैं कम दोस्त

उन्होंने बताया कि उनके कुछ दोस्त कई सारे अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं, उन्होंने कहा, कुछ हैं और कुछ नहीं हैं। और मुझे लगता है कि हम दोस्त हैं क्योंकि वे मेरे इस पहलू को समझने में सक्षम हैं। इसलिए वे कभी भी खुद को या अपनी दोस्ती को मुझ पर नहीं थोपते। और मुझे वह पसंद हैं।

राजीव गांधी थे बेस्ट फ्रेंड

उसी इंटरव्यू के दौरान, अमिताभ बच्चन ने शेयर किया कि दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक थे। उनका रिश्ता बचपन से है, जब महज चार साल के युवा अमिताभ की पहली मुलाकात राजीव से हुई, जो सिर्फ दो साल के थे, ये इलाहाबाद में हुआ था।

पंडित नेहरू के पोते के साथ खेलते थे

उस पहली मुलाकात को याद करते हुए अमिताभ ने एक बार कहा था, बैंक रोड (जहां इलाहाबाद में बच्चन परिवार का घर था) पर यह फैंसी-ड्रेस पार्टी थी। राजीव गांधी दो साल के थे और उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी की ड्रेस पहन रखी थी। मां का कहना है कि उन्होंने अपनी पैंट खराब कर दी है। हम सभी तब इतने छोटे बच्चे थे, अपने छोटे-छोटे खेलों में मगन रहते थे कि यह कोई बड़ी बात नहीं लगती थी कि पंडित नेहरू का पोता हमारे बीच में है।

कशिका कपूर लव यू फादर के साथ कर रही है अपना टॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड डेब्यू के बाद, आयुष्मती गीता मैट्रिक पास की अभिनेत्री कशिका कपूर टॉलीवुड इंडस्ट्री में लव यू फादर के साथ कदम रखने जा रही हैं। यह फिल्म पुष्पा- द राइज के सह-निर्देशक पवन केथाराजु द्वारा निर्देशित है। कशिका कपूर अब दोनों इंडस्ट्रीज़ में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं और वह इस समय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे होनहार उभरती सितारों में से एक के रूप में पहचानी जा रही हैं।आयुष्मती गीता मैट्रिक पास, जो लड़कियों की शिक्षा के संदेश पर आधारित है, से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद, कशिका अब अपनी नई फिल्म लव यू फादर के साथ टॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। लव यू फादर एक भावनात्मक कहानी है जो एक पिता और बेटी के बीच के रिश्ते को दर्शाती है। इस फिल्म में कशिका मुख्य भूमिका में होंगी, और उनके साथ श्री हर्षा मुख्य पुरुष किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा, नवाब शाह, जिन्हें डॉन 2 और दिलवाले में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जाना जाता है, भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। नवाब शाह की उपस्थिति इस प्रोजेक्ट को और भी प्रभावशाली बनाती है। फिल्म की कहानी एक पिता-पुत्र की जोड़ी पर आधारित है, जहां एक पिता अपने बेटे के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश करता है। यह पूरी कहानी काशी की पृष्ठभूमि में घटित होती है और इसमें शिवा के आदर्श को प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है। फिल्म में एस.पी. चरण, रघु बाबू, शकलाका शंकर और अर्जुन श्रीवास्तव जी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कशिका ने कहा, हर दिन ऐसा महसूस होता है जैसे मैं अपने सपनों की ओर एक नई सीढ़ी चढ़ रही हूं। दोनों फिल्में मेरे दिल के बहुत करीब हैं और मैं इन प्रोजेक्ट्स में डाली गई मेहनत और समर्पण को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। लव यू फादर के साथ एक नई इंडस्ट्री में कदम रखना और पिता-पुत्र के खूबसूरत रिश्ते को दर्शाने वाली इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। मुझे यकीन है कि दर्शक इस फिल्म से व्यक्तिगत रूप से जुड़ेंगे।आयुष्मती गीता मैट्रिक पास जहां लड़कियों की शिक्षा के मजबूत संदेश पर केंद्रित है, वहीं लव यू फादर पारिवारिक रिश्तों की भावनाओं को गहराई से दिखाने वाली फिल्म है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

प्रमोद दुबे ही होंगे रायपुर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी

रायपुर,20 अक्टूबर 2024(ए)। रायपुर दक्षिण से कांग्रेस से प्रत्याशी का नाम कन्फर्म हो गया है। प्रमोद दुबे ही उम्मीदवार होंगे। देर रात या कल सुबह लिस्ट जारी होगी। बता दें कि दक्षिण में दुबे कांग्रेस का बड़ा चेहरा माने जाते हैं। सोनी और प्रमोद दुबे 2019 की लोकसभा चुनाव में भी रायपुर की सीट पर आमने सामने थे। इसके अलावा दोनों ही महापौर, पार्षद और निगम के सभा पति जैसे पदों पर रह चुके हैं। सोनी के सामने फ़िलहाल दुबे ही कांग्रेस के लिए सबसे सेफ और बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। प्रमोद दुबे ने उपचुनाव के लिए नामांकन भी ले लिया है। संभावना जताई जा रही है कि कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद 21 अक्टूबर को चुनाव समिति दावेदारों के नाम पर विचार कर देर रात आलाकमान को पैनल सौंप देगी। वहीं दूसरे दिन आलाकमान की मंजूरी मिलते ही किसी भी समय प्रत्याशी का ऐलान हो सकता है।

धमतरी सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत पर मुख्यमंत्री साय ने जताया शोक

» 4-4 लाख रुपये सहायता राशि की घोषणा की...

रायपुर,20 अक्टूबर 2024(ए)। धमतरी जिले के ग्राम सलोनी में मार्निंग वॉक पर निकले दो छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। जब एक तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में योगेंद्र यादव और नीरज ध्रुव की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।इस हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर इस हादसे को अत्यंत दुखद बताया और मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल देने की प्रार्थना करता हूँ।

3 युवतियों की मौत, कुचलकर ट्रेलर वाहन फरार

सक्ती,20 अक्टूबर 2024(ए)। जिले से एक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने तीन युवतियों को रौंद दिया। हादसे में तीनों युवतियों की मौके पर मौत हो गई। इधर हादसे के बाद से ट्रेलर का ड्राइवर फरार है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना मुक्ताराजा बाराद्वार की है। बता दें जिले में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज ही सुबह जैजैपुर थाने के दतौद चौक में एक बाइक सवार ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौके पर हो गई। मृतक सुराजी चंद्रा ठूठी का रहने वाला है।

बीजापुर के गंगालूर में एनआईए का छापा

» महिला समेत 2 नक्सल सहयोगी हिरासत में...

» छापे में मोबाइल और दस्तावेज जब्त...

जगदलपुर,20 अक्टूबर 2024 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने छत्तीसगढ़ में नक्सल समर्थकों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित गंगालूर पुलिस थाना क्षेत्र के पालनार गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान चलाया। एनआईए ने इस कार्रवाई के तहत एक महिला सहित दो नक्सल सहयोगियों को हिरासत में लिया है।छापे के दौरान जांच एजेंसी ने कई मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। यह कार्रवाई उस मामले से संबंधित है जिसमें आरोपी दिनेश ताती को जून 2023 में बीजापुर स्थित एक ट्रैक्टर शोरुम से दस लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया था।

एनआईए की छापेमारी में आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त

जांच एजेंसी ने इस गांव से कई मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। इन सबूतों को जांच के लिए भेजा गया है, ताकि नक्सलियों और उनके समर्थकों के बीच वित्तीय संबंधों की जांच पड़ताल की जा सके।एनआईए ने 20 अप्रैल 2024 को स्थानीय पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया था और तब से ही वे नक्सल समर्थकों तथा नक्सल संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

एनआईए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों कर चुकी है छापेमारी

इस क्रम में एनआईए ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, जैसे नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा में कई स्थानों पर छापेमारी की है। इन छापों का मुख्य उद्देश्य नक्सलियों को बाहरी समर्थन देने वाले ऐसे समर्थकों को पकड़ना है जो नक्सलियों को धन, सामग्री और अन्य सहायता प्रदान करते हैं।एनआईए के अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों को बाहर से सहायता पहुंचाने वाले समर्थकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि नक्सल संगठनों की गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सके और नक्सलवाद पर अंकुश लगाया जा सके।

अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल के पूर्व डायरेक्टर धोखाधड़ी मामले में हुए गिरफ्तार

» अस्पताल का सौदा कर फरार था डॉ. खंडूजा

भिलाई,20 अक्टूबर 2024 (ए)। करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी मामले में फरार डॉक्टर एमके खंडूजा को गिरफ्तार कर लिया गया है। डॉ. एमके खंडूजा को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार कोलकाता से गिरफ्तार कर सभी को भिलाई लाया जा रहा है। जोकि बीते 1 साल से गायब था। आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कई थानों में दर्ज मामला है।

Apollo BSR Hospitals

शिशु रोग विशेषज्ञ और अपोलो बी.एस.आर हॉस्पिटल स्मृति नगर के पूर्व डायरेक्टर, बीएसआर स्कैन सेंटर भिलाई- दुर्ग- नागपुर के डायरेक्टर डॉक्टर एमके खंडूजा को कोलकाता से रविवार की रात को गिरफ्तार कर लिया गया है। छावनी थाना के धोखाधड़ी के मामले में भिलाई से गई पुलिस टीम ने यह गिरफ्तारी की है। आरोपी डॉक्टर खंडूजा को भिलाई लाया गया है।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेंद्र शुक्ला के अनुसार एक साल पहले थाना छावनी में आरोपी डॉक्टर एमके खंडूजा के खिलाफ भादवि की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया था। डॉक्टर खंडूजा पर आरोप है कि उसके द्वारा 19 करोड़ की धोखाधड़ी की गई थी। डॉ. एमके खंडूजा पिछले 1 साल से अधिक समय से अपने परिवार सहित भिलाई से गायब हो गए थे। उनके खिलाफ विभिन्न थानों में धोखाधड़ी, चेक बाउंस के अनेक शिकायतें लंबित है। डॉ एमके खंडूजा को गिरफ्तारी के बाद छावनी पुलिस भिलाई पहुंच गई है।

आरोपी डॉक्टर खंडूजा के द्वारा अपोलो बीएसआर हॉस्पिटल का सौदा करने के बाद उक्त राशि ली गई थी एवं सौदे के अनुसार अस्पताल का विक्रय प्रार्थी से ना करते हुए दूसरी पार्टी को रुपए लेकर अस्पताल बेच दिया था। जिसके कारण यह मामला दर्ज हुआ था। विगत 1 वर्ष से डॉक्टर खंडूजा धोखाधड़ी के बाद फरार था।

सौतेला पिता ही निकला दरिंदा

रेप से बेहोश हुई बच्ची

जांजगीर-चांपा,20 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले में एक 2 साल की मासूम बच्ची से रेप का मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इस मामले में किसी और को नहीं बल्कि पीड़िता के ही सौतेले पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम शांति नगर इलाके में करीब सात बजे कचरे की ढेर के पास बेहोशी की स्थिति में दो साल की मासूम बच्ची मिली थी। वह खून से लथपथ थी, जिसे देख अचानक लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घटना की सूचना फौरन बच्ची की परिजनों और पुलिस को दी गई। बच्ची के साथ दुष्कर्म की आशंका के बीच डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची को गंभीर स्थिति में उपचार के लिए फौरन जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया था। घटना की गम्भीरता को देखते हुए एसपी विवेक शुक्ला, एडिशनल एसपी राजेन्द्र जायसवाल जिला अस्पताल पहुंचे थे।

पिकनिक स्पॉट में जीजा-साले की मौत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,20 अक्टूबर 2024 (ए)। एक हादसे में जीजा-साले की झरने में गिरकर मौत हो गई। दोनों अमरकंटक दर्शन के बाद ठाड़पथरा गांव स्थित माई का मड़वा पिकनिक स्पॉट में नहाने पहुंचे थे, जहां अचानक पैर फिसलने से दोनों झरने में गिर गए और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गौरेला पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शव बरामद किए गए। ठाड़पथरा निवासी प्रकाश यादव (22) अपने साले बाल केशव यादव (20) के साथ नहाने गया था। उदयपुर (सरगुजा) के पिंडरखी गांव से केशव तीन दिन पहले अपनी बहन और जीजा के घर घूमने आया था। शनिवार को दोनों अमरकंटक दर्शन के लिए गए थे और वापस लौटते समय ठाड़पथरा के माई का मड़वा पिकनिक स्पॉट पर नहाने पहुंचे। नहाते समय दोनों का पैर फिसला और वे झरने के गहरे कुंड में जा गिरे।

55 वर्ष से अधिक उम्र की महिला अधिकारी का नक्सल क्षेत्र में तबादला

हाईकोर्ट ने रद्द किया आदेश

बिलासपुर,20 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य शासन के उस तबादला आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें 55 वर्ष से अधिक उम्र के एक अधिकारी का तबादला नक्सल प्रभावित क्षेत्र में किया गया था। कोर्ट ने शासन के सर्कुलर के आधार पर ही यह फैसला सुनाया।

मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर के महादेवघाट रोड की विकास विहार कॉलोनी की निवासी सरोज वर्मा, जो महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग में प्रशिक्षण अधीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। उनका तबादला अनुसूचित और नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर में कर दिया गया। यह तबादला आदेश सचिव, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, रायपुर द्वारा जारी किया गया था। सरोज वर्मा ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए अधिवक्ता अभिषेक पांडेय के माध्यम से रिट याचिका दायर की। अधिवक्ता पांडेय ने कोर्ट के सामने शासन के नियमों का हवाला देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी 2015 के सर्कुलर के अनुसार, 55 वर्ष से अधिक उम्र के अधिकारियों का घोर अनुसूचित जिलों में तबादला नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता की उम्र 60 वर्ष चार माह है और मिर्गी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद शासन के तबादला आदेश पर रोक लगाते हुए इसे निरस्त कर दिया। कोर्ट ने इस आदेश में याचिकाकर्ता की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति को भी ध्यान में रखा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बीजापुर जैसी कठिन परिस्थितियों में काम करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

चोर के अजीबो-गरीब कारनामे

» 4 साल से साड़ी-ब्लाउज चुरा रहा था ये चोर,करता था ये अजीब काम ?

रायपुर,20 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक अजीबो-गरीब चोरी का मामला सामने आया है। नारायणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया, जो पिछले 4 सालों से महिलाओं की साड़ियां, पेटीकोट और ब्लाउज चुरा रहा था। चोर इन कपड़ों को पहनकर डांस किया करता था।

मामला तब उजागर हुआ जब कृषि अधिकारी सलिल कुजूर ने 18 अक्टूबर को अपनी पत्नी की 7 साड़ियों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की जांच में सामने आया कि चोर गांव-गांव जाकर महिलाओं के कपड़े चुराता और फिर उन्हें पहनकर नृत्य करता। आरोपी इमिल तिर्की से पूछताछ में चोरी किए हुए कपड़े बरामद हुए, और उसने स्वीकार किया कि उसे इन कपड़ों में डांस करने में मजा आता था।

फेसबुक फ्रेंड ने बनाई युवती की फेक इंस्टाग्राम आईडी, अश्लील तस्वीरें अपलोड कर किया बदनाम

रायगढ़,20 अक्टूबर 2024(ए)। थाना कोतरारोड़ क्षेत्र में एक युवती की सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर उसे बदनाम करने के मामले में कोतरारोड़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद आसिफ कुरैशी (24 वर्ष) को जैजेपुर, सक्ती से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पीड़ित युवती के नाम से फेक इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसके सोशल मीडिया अकाउंट से तस्वीरें निकालकर अश्लील रूप में अपलोड की थीं। उसे आज न्यायिक रिमांड पर पेश कर जेल भेजा गया है।

पीड़ित युवती के भाई ने 18 अक्टूबर को थाना कोतरारोड़ में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि 17 अक्टूबर को उसकी बहन की सगाई तय हुई थी। अगले दिन एक परिचित युवक ने सूचना दी कि उसकी बहन की अश्लील तस्वीरें एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की गई हैं। जब परिवार ने यह इंस्टाग्राम अकाउंट चेक किया, तो पता चला कि यह फेक आईडी युवती के नाम से बनाई गई थी, जिस पर उसकी तस्वीरों के साथ आपत्तिजनक सामग्री अपलोड की गई थी। इस घटना से परिवार को गहरा आघात पहुंचा, और उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई।

UNDER CCTV SURVEILLANCE
ड्यूटी ऑफिसर

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

आवेदन मिलने के तुरंत बाद थाना कोतरारोड़ में मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ पर धारा 77, 79 बीएनएस के तहत (अपराध क्रमांक 353/2024) मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पीड़िता का बयान लिया गया और आरोपी की तलाश शुरू की गई। इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच से आरोपी की पहचान मोहम्मद आसिफ कुरैशी, निवासी किरोड़ीमल नगर के रूप में हुई, जिसका आखिरी लोकेशन रायपुर में पाया गया।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के मार्गदर्शन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गईं। एक टीम को रायपुर भेजा गया जबकि दूसरी टीम आरोपी के रिश्तेदारों से जानकारी जुटाने में लगी रही। आरोपी, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर छिपा हुआ था, को पुलिस ने जैजेपुर में घेराबंदी कर हिरासत में लिया।

आरोपी का कबूलनामा

गिरफ्तारी के बाद आरोपी मोहम्मद आसिफ कुरैशी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसकी 8 साल पहले फेसबुक के माध्यम से पीड़िता से मित्रता हुई थी। जब उसे 17 अक्टूबर को युवती की सगाई की सूचना मिली, तो उसने बदला लेने की भावना से 18 अक्टूबर को युवती के नाम से फेक इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसमें अश्लील तस्वीरें और वीडियो अपलोड कर दिए। इसके बाद, उसने अपने मोबाइल की सिम कार्ड तोड़कर रायपुर में फेंक दी थी।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन (विवो) को जब्त कर लिया है और आरोपी पर आईटी एक्ट की धारा 66, 67 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, एडिशनल एसपी आकाश मरकाम, डीएसपी अखिलेश कौशिक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतरारोड़ निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी, महिला उप-निरीक्षक कुसुम कैवर्त, सहायक उप-निरीक्षक डीपी चौहान, प्रधान आरक्षक शंकर राम कालो, आरक्षक चंद्रेश पांडे, प्रवीण काठे, मुकेश चौबे और शिवा प्रधान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से आरोपी को जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे पीड़िता और उसके परिवार को न्याय मिल सका।

लग्जरी कार से 25 लाख के गांजा की तस्करी

रायपुर,20 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें आधी रात लग्जरी गाड़ियों में गांजे की तस्करी कर रहे एक हाईप्रोफाइल तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो लग्जरी गाड़ियों से करीब 2 क्विंटल गांजा जब्त किया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपए आंकी जा रही है।मंदिर हसौद थाना पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के कारोबार में संलिप्त तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया, जिसमें तस्करों की पहचान और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। गिरफ्तार किए गए तस्कर का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पुलिस ने बताया कि तस्कर रात के समय इन लग्जरी वाहनों का उपयोग करते थे ताकि पुलिस की नजरों से बच सकें, लेकिन गुप्त सूचना के चलते पुलिस ने उन्हें पकड़ने में सफलता पाई। इस मामले में आगे की जांच जारी है और तस्करों के अन्य सहयोगियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने वाहन को भी जब्त कर लिया है और इस मामले में जांच के लिए विभिन्न स्थानों पर छापे मारे जाएंगे। पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करने की बात कही है। यह कार्रवाई राज्य में बढ़ते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। रायपुर पुलिस का कहना है कि वे तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)